संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -168 गुरुवार,20 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

टिकट कटने से तिलमिलाए पूर्व कांग्रेसी नेता राजकुमार राजू ने की अजीबो-गरीब हरकत

अतीक की कब्र पर चढ़ाया तिरंगा

» पहले कांग्रेसी नेता अतीक अहमद के लिए मांगी थी भारत रत्न

प्रयागराज,19 अप्रैल 2023 (ए)। यूपी में निकाय चुनाव की घोषणा के बाद चुनावी दलों ने अपने प्रत्याशियों को भी मैदान में उतार दिया है। हाल ही में अतीक हत्याकांड का मुद्दा भी राजनीतिक हलचल को बढ़ा रहा है, जिसमें पक्ष-विपक्ष के नेता अपने-अपने विवेक से बयानबाजी कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस के एक वार्ड मेंबर प्रत्याशी का वीडियो बुधवार को तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें वह अतीक अहमद को शहीद कह रहे हैं और भारत रत्न देने की मांग की है। अतीक अहमद को भारत रत्न देने की मांग करने वाले कांग्रेस नेता राजकुमार उर्फ राजू हैं, जिन्हें कांग्रेस ने प्रयागराज नगर निगम के वार्ड नंबर 43 से प्रत्याशी बनाया था। उनका वीडियो वायरल हुआ तो कांग्रेस की किरकिरी होने लगी तो पार्टी ने तत्काल प्रभाव से राजू की टिकट काट दी और पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

अतीक की कब्र पर किया सजदा और फातिहा पढ़ा

अब, टिकट कटने से तिलमिलाए राजू ने ऐसी हरकत कर दी है, जिससे उन पर मुकदमा भी दर्ज हो सकता है। दरअसल, अतीक को भारत रत्न देने की मांग करने वाले वीडियो के बाद राजू का एक और वीडियो भी सामने आ गया है। इस वीडियो में राजू प्रयागराज के कसारी मसारी स्थित कब्रिस्तान में दिख रहे हैं। माफिया अतीक अहमद को यहीं दफनाया गया है। राजू ने अतीक की कब्र पर तिरंगा झंडा चढ़ाया और विवादित नारे भी लगाए। इसके बाद राजू ने अतीक की कब्र पर सजदा किया और फातिहा भी पढ़ा।

इस मामले में पुलिस की तरफ की किसी भी प्रकार की कार्रवाई की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इतना जरूर है कि राजकुमार के इन कारनामों ने उन्हें चर्चा के विषय में राष्ट्रीय स्तर पर ला खड़ा कर दिया है।

पायरेसी पर मोदी सरकार का चाबुक

» संसद में लाया जाएगा सिनेमेटोग्राफी बिल

नई दिल्ली,19 अप्रैल 2023 (ए)। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। बैठक में लिए गए , फैसलों की जानकारी देते हुए, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और जितेंद्र सिंह ने बताया कि पायरेसी रोकने के लिए आने वाले संसद सत्र में सिनेमेटोग्राफी बिल 2023 लाया जाएगा। अनुराग ने कहा कि बहुत समय से मांग थी कि पायरेसी पर कुछ किया जाए। इसको लेकर बुधवार (19 अप्रैल) को कैबिनेट ने यह अनुमति दी है। मंत्री ने कहा कि फिल्मों में साहित्यिक/सामग्री की चोरी या पायरेसी से नुकसान नहीं हो, इसलिए यह विधेयक तैयार किया गया है। इससे पूरे फिल्म जगत को लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि फिल्म जगत, कलाकारों और प्रशंसकों से जुड़ा हुआ निर्णय लिया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेशनल क्वांटम मिशन के लिए मंजूरी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने दी है। इसके लिए 6,003 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 2023-24 से 2030-31 तक का इसकी समयसीमा है।

समलैंगिक विवाह मामले पर केंद्र का एससी में एक और हलफनामा

» सभी राज्यों को पक्षकार बनाने की मांग

नई दिल्ली ,19 अप्रैल 2023 (ए)। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। इसी बीच केंद्र सरकार ने आज कोर्ट में नया हलफनामा दायर किया है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से सभी राज्यों को इस मामले में पक्षकार बनाने की मांग की है। केंद्र ने कहा कि यह मुद्दा राज्यों के विधायी क्षेत्र के भीतर आता है लिहाजा पहले उसे सुना जाना चाहिए।

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को बड़ा झटका

» करीबी गुर्गा अबू सावंत सिंगापुर से डिपोर्ट

मुंबई ,19 अप्रैल 2023 (ए)। भारतीय एजेंसियों को विदेश में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के सबसे करीबी लोगों में से एक और उनका फाइनेंस हैंडलर संतोष महादेव सावंत उर्फ अबु सावंत को केंद्रीय एजेंसियों और मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से की गई कार्यवाई के बाद मुंबई डिपोर्ट करके लाया गया है। दिल्ली में अबू सावंत को सीबीआई ने अपनी कस्टडी में लिया है। पिछले दो दशकों से छोटा राजन का यह गुर्गा फरार चल रहा था। इसके खिलाफ मकोका सहित कई अन्य मामले दर्ज हैं।

संतोष उर्फ अबू सावंत के प्रत्यर्पण को लेकर साल 2000 में सिंगापुर के साथ कागजी कार्रवाई शुरू हुई थी। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी था। भारतीय एजेंसियों की दो दशक से ज्यादा समय की मेहनत के बाद उसे डिपोर्ट किया जा सका। सिंगापुर में रहते हुए अबू सावंत होटल व्यवसाय की आड़ में अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के लिए काम कर रहा था। उसके ऊपर मुंबई क्राइम ब्रांच के साथ-साथ सीबीआई ने भी कई केस दर्ज किए हैं। गैंगस्टर डीके राव के बाद छोटा राजन गैंग में संतोष सावंत नंबर 2 था। जब साल 2000 में छोटा राजन हमला हुआ तो उसके बाद रवि पुजारी, हेमंत पुजारी, बंटी पांडे, संतोष और विजय शेट्टी, एजाज लकड़ावाला जैसे उसके नजदीकियों ने भी उसका साथ छोड़ दिया था। लेकिन अंडरवर्ल्ड में पैठ जमाने में लगा संतोष सावंत, डीके राव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर छोटा राजन के साथ खड़ा रहा और जल्द ही उसका करीबी भी बन गया। डीके राव के पास गैंग संभालने का काम था, तो छोटा राजन ने अबू सावंत को अपनी और गैंग की काली कमाई का हिसाब-किताब रखने की जिम्मेदारी सौंप दी।

संतोष सावंत के पिता पेशे से रियल एस्टेट कारोबारी थे। ऐसे में उसे प्रॉपर्टी डीलिंग और फाइनेंस की अच्छी खासी समझ थी। उसने छोटा राजन की कंपनी की प्रॉपर्टी डीलिंग और फाइनेंस हैंडलिंग का काम पूरी तरह टेकओवर कर लिया था। उसके ऊपर मुख्य रूप से धमकाने और रंगदारी वसूली जैसे आरोप हैं। मुंबई सहित पूरे देश मे टारगेट सेट करना, उनसे संपर्क कर धमकाना और प्रोटेक्शन मनी के नाम पर रंगदारी वसूलना, ये सब काम सावंत के ही जिम्मे था।

स्विट्जरलैंड से भेजी गई संघ समर्थक के स्कूल को उड़ाने की धमकी वाली ई-मेल

इंदौर ,19 अप्रैल 2023 (ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ें इनायत हुसैन के देहली इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी वाली ई-मेल स्विट्जरलैंड से भेजी गई थी। जांच में इसका खुलासा होने के बाद अब इंदौर पुलिस इसे भेजने वालों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की मदद ले रही है। आशंका है कि ई-मेला जमीन विवाद के कारण भेजी गई। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल तकनीकी जांच में जुटी है। हज कमेटी के अध्यक्ष रहे इनायत हुसैन का धार रोड पर देहली इंटरनेशनल स्कूल है। 14 अप्रैल को स्कूल की ई-मेल आईअी पर एक ई-मेल के माध्यम से संदेश आया था। इसमें तीन घंटे में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। 15 अप्रैल को स्कूल की कोआर्डिनेटर राजश्री पुरोहित ने ई-मेल देखने के बाद इनायत हुसैन को इसकी जानकारी दी और चंदननगर थाने में केस दर्ज कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने बम निरोधक दस्ता से पूरे स्कूल परिसर की जांच करवा ली। कहीं भी बम नहीं मिला। ऐसे में पुलिस ने प्रारंभिक रूप से इसे किसी की शरारत मानी। वहीं, पुलिस ने ई-मेल की जांच की तो पला चला मेल स्विट्जरलैंड से भेजा गया।

बीजेपी ने कर्नाटक चुनाव के लिए जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

» पीएम मोदी, शाह और योगी सहित 40 नेताओं के नाम शामिल

नई दिल्ली,19 अप्रैल 2023 (ए)। कर्नाटक विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधान सभा चुनाव में प्रचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, बीएस येदियुरप्पा, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और राज्य के प्रभारी अरुण सिंह समेत 40 नेताओं को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है।

भाजपा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान,असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी कर्नाटक के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है।

भाजपा ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, शोभा करंदलाजे, मनसुख मंडाविया, तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई, कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, डीके अरुणा और ए नारायण स्वामी सहित राज्य के अन्य कई महत्वपूर्ण नेताओं को भी राज्य में होने वाले आगामी विधान सभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है।

भ्रष्टाचार के आरोपी पूर्व चीफ इंजीनियर की 38.29 करोड़ की संपत्तियां जब्त

» ईडी ने की बड़ी कार्रवाई

रांची ,19 अप्रैल 2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विकास विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ की संपत्तियां बुधवार को जब्त कर ली। बीरेंद्र पर आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। बीते 21-22 फरवरी को ईडी ने उनके 24 ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी। इस दौरान 25 लाख रुपए कैश और डेढ़ करोड़ से भी ज्यादा के गहने बरामद किए गए थे। उन्हें ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। तब से वह रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। ईडी की इस कार्रवाई के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

बुधवार को ईडी ने उनकी जिन संपत्तियों को जब्त किया है, उनमें उनके पिता गेंदा राम के नाम पर खरीदा गया फार्म हाउस और दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी में स्थित घर शामिल है। डिफेंस कॉलोनी में बनाया गया मकान उन्होंने अपनी पत्नी राजकुमारी के नाम पर खरीदा था। बीरेंद्र और उनके पिता इन मकानों की खरीद में इस्तेमाल की गई राशि का स्रोत नहीं बता पाए थे।

दिल्ली सहित अन्य शहरों में भी बीरेंद्र राम की बनायी गयी अचल संपत्ति को पीएमएलए एक्ट के तहत जब्त किया गया है। ईडी की जांच में इसका खुलासा हुआ था कि बीरेंद्र राम ने दिल्ली के छतरपुर की संपत्ति 18 करोड़ कैश देकर खरीदी थी जबकि इस संपत्ति का बाजार मूल्य 30 करोड़ के आसपास है। इस संबंध में ईडी ने प्रॉपर्टी के मालिक का बयान भी दर्ज किया है। इस प्रॉपर्टी की खरीद उन्होंने अपने पिता गेंदा राम के नाम पर की थी। जबकि गेंदा राम एक सेवानिवृत शिक्षक हैं। ईडी 22 अप्रैल से पहले इस मामले में बीरेंद्र राम और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर करेगी। एजेंसी ने पता लगाया है कि उन्होंने एक सौ करोड़ से भी अधिक की रकम अवैध तरीके से कमाई है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

प्रयागराज ,19 अप्रैल 2023 (ए)। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में चार दिन बाद पुलिस ने बड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए पांच पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। जिनमें शाहगंज थाने के एसओ अश्वनी कुमार सिंह के अलावा दो सब इंस्पेक्टर और दो कॉन्स्टेबल शामिल हैं।वहीं, आरोपी लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या को सीजेएम कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर 7 दिनों की कस्टडी रिमांड मांगी गई थी। हालांकि सीजेएम कोर्ट ने तीनों आरोपियों की चार दिन की कस्टडी रिमांड की मंजूरी दी है। कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद अब 23, अप्रैल को आरोपियों को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी।

हिस्ट्रीशीटर की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

सुलतानपुर ,19 अप्रैल 2023 (ए)। जिला प्रशासन ने हिस्ट्रीशीटर अपराधी राकेश यादव की करोड़ों की जमीन कुर्क किया है। अपराधी राकेश जेल में बंद है। उस पर हत्या, लूट के दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं। राकेश यादव पुत्र महावीर यादव बल्दीराय थाना क्षेत्र के महमूदपुर गांव का निवासी है। उसका नाम जरायम की दुनिया में उस समय तेजी से उभरा जब हेमनापुर ग्राम सभा के पूर्व प्रधान पति सुरेश यादव की हत्या में उसका नाम आया। सूत्रों की माने तो प्रधानी के वर्चस्व की जंग को लेकर गांव के ही सुरेश यादव से दुश्मनी थी। सरेआम वलीपुर बाजार में ही करीब आधा दर्जन बदमाशों ने सुरेश यादव को गोलियों से भून दिया था। अभी राकेश यादव जेल में बंद है उसके खिलाफ आज प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। करोड़ों की संपत्ति मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में कुर्क कर दी गई है। जिलाधिकारी के आदेश संख्या 11, 2022 के तहत उप जिलाधिकारी बल्दीराय महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने गैंगस्टर अधिनियम 141 के तहत राकेश यादव पुत्र महावीर यादव की गाटा संख्या 2182 में निर्मित भवन तथा गाटा संख्या 217 के. 007 हेक्टेयर भूमि को कुर्क कर दिया। इस मौके पर सीओ रमेश, एसओ बल्दीराय अमरेंद्र बहादुर सिंह, चैकी इंचार्ज राकेश कुमार ओझा सहित काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

दिल्ली की अदालत ने 2020 दंगों के मामले में पिता-पुत्र को दोषी करार दिया

नई दिल्ली ,19 अप्रैल 2023 (ए)। यहां की एक अदालत ने 2020 के उत्तरी-पूर्वी दिल्ली दंगों के एक मामले में पिता-पुत्र को दंगा और आगजनी के लिए दोषी ठहराया है और कहा है कि अभियोजन पक्ष ने उनके खिलाफ उचित संदेह से परे आरोप साबित किए हैं। मिथुन सिंह और उनके बेटे जॉनी कुमार के खिलाफ मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) पुलस्त्य प्रमाचला कर रहे थे।

दोनों पर 25 फरवरी, 2020 को खजूरी खास में लेन नंबर 4 में कई संपत्तियों को आग लगाने वाली दंगाई भीड़ का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया था। न्यायाधीश ने कहा, मुझे लगता है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संदेह से परे यह साबित हो गया है कि वे उस भीड़ का हिस्सा थे, जिसने (शिकायतकर्ता शबाना खातून की) संपत्ति को जलाया था। इस प्रकार, उन्हें धारा 147 (दंगा), 148 (दंगा, दंगा, एक घातक हथियार से लैस) 436 (घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से शरारत, आदि) भारतीय दंड संहिता की धारा 149 (गैरकानूनी विधानसभा के प्रत्येक सदस्य को सामान्य वस्तु के अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी) के तहत दोषी ठहराया जाता है।

अदालत ने 19 अप्रैल को हलफनामा दाखिल करने के लिए मामला पोस्ट किया, जिसके बाद सजा पर कार्यवाही शुरू होगी।

एएसजे प्रमाचला के अनुसार, जिन्होंने विभिन्न सार्वजनिक गवाहों के बयानों पर ध्यान दिया, एक विशिष्ट समुदाय की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के साझा लक्ष्य के साथ एक गैरकानूनी सभा की स्थापना की गई थी।

न्यायाधीश के अनुसार, दंगाई भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की वारदातें भी कीं।

साल का पहला सूर्य ग्रहण आज

» एक दशक बाद लगेगा कंकणाकृति सूर्य ग्रहण

नई दिल्ली ,19 अप्रैल 2023 (ए)। साल का पहला सूर्य ग्रहण आज गुरुवार, 20 अप्रैल को लगेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह की अमावस्या तिथि के दिन यह ग्रहण लगेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहण का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक साल 2023 के इस सूर्य ग्रहण के मुताबिक सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में मौजूद रहेंगे। आइए जानते हैं साल के पहले सूर्य ग्रहण की सारी जानकारी। भारतीय समय के अनुसार यह सूर्य ग्रहण सुबह 7 बजकर 4 मिनट से शुरू हो जाएगा जो दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक चलेगा। इस सूर्य ग्रहण की कुल अवधि 5 घंटे 24 मिनट तक रहेगी।क्या भारत में दिखाई देगा ग्रहण ‑ साल 2023 के पहले सूर्य ग्रहण का नजारा भारत के लोग नहीं देख सकते हैं। यह सूर्य ग्रहण आस्ट्रेलिया समेत कई देशों में देखा जा सकेगा। यह सूर्य ग्रहण चीन, थाईलैंड, अमेरिका, मलेशिया, जापान, न्यूजीलैंड, हिंद महासागर और प्रशांत महासागर जैसी जगहों पर दिखाई देगा।

साल 2023 का यह पहला सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने के कारण इसका सूतककाल मान्य नहीं होगा। शास्त्रों के अनुसार जहां-जहां पर ग्रहण का असर होता है वहां पर सूतक काल प्रभावी माना जाता है। इस कारण से भारत में सूतक काल प्रभावी नहीं होगा।

संपादकीय

ये दो-टूक संदेश है?

क्या अमित शाह के बयान से एक बार फिर 'ना कोई घुसा है, ना कोई घुसा हुआ है' वाले प्रधानमंत्री के बयान की पुष्टि नहीं होती है? आशंका है कि चीन इसका उसी तरह दुरुपयोग करेगा, जैसा जून 2020 में उसने किया था।

भारतीय मीडिया में गृह मंत्री अमित शाह के अरुणाच प्रदेश में दिए गए बयान को चीन को दो-टूक संदेश के रूप में पेश किया गया है। शाह ने वहां कहा कि कोई भारत की एक इंच जमीन पर भी अब कब्जा नहीं जमा सकता। इसके अलावा शाह ने रुणाचल प्रदेश में 48 अरब रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। अमित शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं से भारत की सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर होगी। ये वे इलाका है, जिसे चीन अपना बताता है और हाल ही में वहां की कई जगहों के नाम भी बदल दिए थे। चीन की इस कार्रवाई के तुरंत बाद अमित शाह का अरुणाचल प्रदेश जाना और वहां परियोजनाओं का उद्घाटन करना अवश्य इस राज्य के बारे में भारत के चिर-परिचित रुख की पुनर्घोषणा है। इस रूप में इसे एक जरूरी पहल माना जाएगा। लेकिन शाह ने भारत की प्रादेशिक अखंडता के बारे में जो दावा किया, वह विवादास्पद है।

इसलिए कि इससे एक बार फिर 'ना कोई घुसा है, ना कोई घुसा हुआ है' वाले प्रधानमंत्री के बयान की पुष्टि होती है। जबकि तब से आज तक इस सवाल का जवाब नहीं मिला है कि अगर स्थिति ऐसी है, तो फिर गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प किसलिए हुई थी और उसके बाद लगभग डेढ़ दर्जन दौर की वार्ता किसलिए हुई है? ये घटनाएं लद्दाख सेक्टर में हुई थीं। उधर अरुणाचल में भी चीनी घुसपैठ की खबरें इस दौर में आती रही हैं। अनेक कूटनीति विशेषज्ञों का आकलन है कि गलवान घाटी की घटना के बाद प्रधानमंत्री के दिए बयान से चीन के साथ बातचीत में भारत का पक्ष कमजोर हुआ। चीन ने अपने को निर्दोष बताने के लिए उस बयान का खूब उपयोग किया। आशंक है कि अब गृह मंत्री के बयान को भी भारत सरकार के उसी पुराने रुख की पुष्टि समझ कर चीन लद्दाख सेक्टर में अपनी घुसपैठ को वैधता देने की कोशिश करेगा। इसीलिए भारत सरकार के वरिष्ठ पदाधिकरियों से अपेक्षा यह है कि वह उन देशों को कठघरे में रखने की रणनीति के अनुरूप बयान दे, जिनसे भारत के संबंध शत्रुतापूर्ण हैं।

बिहार और हिंदी पट्टी की राजनीति

आजाद भारत के इतिहास में दो बार- 1977 और 1989 में विपक्ष ने एकजुट होकर सत्तारूढ़ दल को हराया है। दोनों बार के बदलाव में बिहार की बड़ी भूमिका रही थी। इसी रेपुटेशन की वजह से इस बार भी जब भाजपा के खिलाफ विपक्ष का गठबंधन बनाने की बात हो रही है तो बिहार की भूमिका देख रही है। बिहार की भूमिका इस वजह से भी बढ़ी है क्योंकि जिस समय भाजपा अपने ऑपरेशन लोटस के तहत मध्य प्रदेश से लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र तक कांग्रेस की सरकार गिरा कर अपनी सरकार बना रही थी उस समय बिहार में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ कर राजद और कांग्रेस के साथ सरकार बनाई। इस तरह भाजपा को बिहार की सत्ता से बाहर किया। उसके बाद से ही नीतीश और उनकी पार्टी के नेता यह राजनीतिक विमर्श चलाए हुए हैं कि देश के आधा दर्जन राज्यों में भाजपा की सीटें कम की जा सकती हैं, जिससे वह अगले चुनाव में बहुमत नहीं हासिल कर पाएगी।

इस थ्योरी को देने के बाद नीतीश इस पर अमल के लिए भागदौड़ कर रहे हैं। दिल्ली में जब वे मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिले तो उन्होंने कहा है कि वे यूपीए से बाहर की छह पार्टियों के नेताओं से बात कर सकते हैं। इसमें उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात करने की बात कही। हालांकि नवीन पटनायक और जगन मोहन रेड्डी के बारे में सबको पता है कि वे विपक्षी गठबंधन में शामिल नहीं होंगे। के चंद्रशेखर राव व ममता बनर्जी पहले से विपक्षी गठबंधन बनाने के प्रयास में हैं इसलिए उनके साथ ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। असली मसला उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और बाकी हिंदी प्रदेशों में अरविंद केजरीवाल से तालमेल बनवाने का है। क्या नीतीश यह काम कर पाएंगे?

खड़गे और राहुल गांधी से मिलने के बाद बुधवार को नीतीश कुमार ने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इसके अगले दिन आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह से मिले। केजरीवाल से मुलाकात तो औपचारिक प्रकृति की थी लेकिन संजय सिंह से गंभीर राजनीतिक बात हुई है। अगर नीतीश कुमार किसी तरह से केजरीवाल के साथ विपक्ष और खास कर कांग्रेस का गठबंधन बनवाते हैं तो वह बहुत बड़ी बात होगी क्योंकि कांग्रेस को असली खतरा सिर्फ आम आदमी पार्टी से है। वे बाकी प्रादेशिक पार्टियों के खिलाफ चुनाव लड़ने उनके असर वाले राज्य में नहीं जा रहे हैं। उनको बंगाल या तेलंगाना में चुनाव नहीं लड़ना है और न बिहार या तमिलनाडु में लड़ना है। उनको दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात आदि राज्यों में लड़ना है, जहां मोटे तौर पर कांग्रेस की सीधी लड़ाई भाजपा से है। वे इन राज्यों में कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकते हैं। जब से उनको राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला है तब से वे और ज्यादा उत्साहित हैं। ऐसे में उनको समझना बहुत मुश्किल होगा। उनको अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा छोड़ने और विपक्ष को मजबूत करने के लिए गठबंधन में शामिल करने के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होगा। अभी वे कर्नाटक में चुनाव लड़ रहे हैं और साल के अंत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है।

नीतीश की असली परीक्षा केजरीवाल को साधने में होगी। इसके बाद उनको अखिलेश यादव को विपक्षी गठबंधन में शामिल होने के लिए तैयार करना होगा। उत्तर प्रदेश में माफिया को मिट्टी में मिला देने की जैसी राजनीति हो रही है उसे देखते हुए अखिलेश के पास ज्यादा विकल्प नहीं दिख रहे हैं। यदि अगले महीने होने वाले नगर निगम चुनाव में उनकी पार्टी का प्रदर्शन खराब होता है तो फिर ज्यादा संभावना है कि वे विपक्षी गठबंधन में शामिल होंगे। इस काम में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव भी नीतीश की मदद कर सकते है। कायदे से लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन से बात करके तीन राज्यों का एक मजबूत गठबंधन बनाना चाहिए। इन तीन राज्यों में लोकसभा की 134 सीटें हैं, जिनमें भाजपा के पास 93 सीटें हैं और एनडीए के पास एक सौ सीट है। जदयू के अलग होने से पहले एनडीए के पास 116 सीटें थीं। अगर इन तीन राज्यों का एक पायलट प्रोजेक्ट बनता है, जिसमें सभी 134 सीटों पर भाजपा के मुकाबले विपक्ष का एक उम्मीदवार हो तो उतने भर से बहुत कुछ बदल जाएगा।

लेकिन उससे पहले भाजपा ने बिहार में ही नीतीश कुमार को घेरना शुरू कर दिया है। जिस समय नीतीश दिल्ली में विपक्षी गठबंधन की राजनीति कर रहे थे उसी समय उनके सहयोगी जीतन राम मांझी दिल्ली में अमित शाह से मिले। मिलने का आधिकारिक कारण अलग बताया गया। लेकिन जानकार सूत्रों के मुताबिक मांझी दूसरी तरफ भी विकल्प देख रहे हैं। नीतीश के एक और सहयोगी मुकेश सहनी भी भाजपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं। हालांकि बिहार में एनडीए में भी कम शह-मात का खेल नहीं चल रहा है। पिछले दिनों चिराग पासवान राजद की ओर से दी गई इफ्तार की दावत में शामिल हुए। वे भाजपा पर ज्यादा सीट के लिए दबाव बना रहे हैं। सो, वहां भी डाल-डाल, पात-पात की राजनीति हो रही है। इसके बावजूद अगर नीतीश हिंदी पट्टी के बड़े राज्यों में विपक्षी गठबंधन बनवाने में कामयाब होते हैं तो 2024 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर बहुत बदलेगी।

हरिशंकर व्यास

एकता के सात फेरे और एक अदरक-पंजा

अजूबा तभी होगा, जब प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के चेहरे यक-सां होने के साथ-साथ उन सभी के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के मन भी आपस में घुलमिल जाएं। क्या यह आसान होगा? क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, मार्क्सवादी पार्टी और कांग्रेस के जन-जन एक-दूसरे के लिए रूह-अफ़ज़ा हो पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के पट्ठे गलबहियां कर घूमने लगेंगे? क्या केरल में वाम दलों और कांग्रेस के धरतीपुत्र मिलजुल कर चुनावी खेत में हल चला लेंगे?

बुधवार को कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व-अध्यक्ष राहुल गांधी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद विपक्षी एकता की कोशिशें ठोस आकार लेती तो दिखाई देने लगी हैं, लेकिन इस मिलन की तसवीरों को देख कर अभी से फुदकना शुरू कर देने वाली कांग्रेस की लिपिक-टोली को यह बताना ज़रूरी है कि दिल्ली अभी उतनी ही दूर है, जितनी 2019 में थी। यह अलग बात है कि दिल्ली नरेंद्र भाई मोदी से भी अब दिन-ब-दिन दूर होती जा रही है और वे 2024 में उसे गप्प से गटकने की स्थिति में नहीं हैं, मगर इतनी कूवत उन में एक बरस बाद भी बनी रहेगी कि वे दिल्ली को अपने अदरक-पंजों से पूरी तरह बाहर न जाने दें। 2014 में वे जिस तरह दनदनाते हुए रायसीना-पहाड़ी पहुंचे थे, 2024 में उन्हें उसी तरह सनसनाते हुए इस पहाड़ी से नीचे ठेल देने लायक हैसियत विपक्ष की अभी नहीं हुई है। बचे बारह महीने में अगर हो जाए तो वह विलक्षण चमत्कार होगा।

विपक्षी एकता की राह में कई घुमावदार मोड़ अभी बाकी हैं। बंद-कमरा बातचीत में हालांकि नीतीश ने राहुल-खड़गे को भरोसा दिलाया है कि वे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को विपक्ष की बेलबूटी-जाजम पर सब के साथ बिठा देंगे, मगर क्या वे सचमुच ऐसा कर पाएंगे? तेजस्वी ने भी अखिलेश यादव को इस दस्तरख़ान तक ले आने का विश्वास राहुल के सामने ज़ाहिर किया है, लेकिन वे इस में कितने कामयाब होंगे, मालूम नहीं। ममता, केजरीवाल और अखिलेश को अगर नीतीश-तेजस्वी ने विपक्ष के सफ़र में कांग्रेस का साथी बना दिया, तब तो समझ लीजिए कि आगामी आम चुनाव का भवसिंधु दो तिहाई से ज़्यादा पार हो गया। शरद पवार, उद्धव ठाकरे, एम. के. स्टालिन और वाम दल पहले से साथ हैं। मायावती और के. चंद्रशेखर राव सरीखों ने अगर अपना बखेड़ा समेट लिया तो 2024 की गर्मियों में आप एक अद्भुत करिश्मा घटता हुआ देख भी सकते हैं। मगर यह अजूबा तभी होगा, जब प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के चेहरे यक-सां होने के साथ-साथ उन सभी के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के मन भी आपस में घुलमिल जाएं। क्या यह आसान होगा? क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, मार्क्सवादी पार्टी और कांग्रेस के जन-जन एक-दूसरे के लिए रूह-अफ़ज़ा हो पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के पट्ठे गलबहियां कर घूमने लगेंगे? क्या केरल में वाम दलों और कांग्रेस के धरतीपुत्र मिलजुल कर चुनावी खेत में हल चला लेंगे?

पंकज शर्मा

नन्हीं चिड़िया

भटक रहे हैं हम बेचारे,
कहाँ कहाँ अब जायेंगे।
जरा बताओ हमको मानव, कैसे
प्यास बुझायेंगे।।
सूरज दादा नहीं समझते, नीर
सभी पी जाते हैं।
ग्रीष्म काल की इस बेला में,
हर दिन वे तरसाते हैं।।
नीर भरे नयनों से कोयल,
कू कू गीत सुनाती है।
मैना अरु गौरैया रानी,
आकर गले लगाती हैं।।
चिंता में पक्षी हैं डूबे,
कोई नीर पिलाओ ना।
तड़प तड़प कर मर जायेंगे,
मेघ धरा में आओ ना।।
वृक्ष लतायें ठूँठ पड़े हैं,
गर्म हवाएँ बहती हैं।
पीर हमारी देख धरा भी,
सहमी सहमी रहती है।।
कोयल कहती गौरैया से,
शांत रहो छोटी बहना।
हम मानव के घर जायेंगे,
व्यथा हमारी तुम कहना।।
साहस भर कर जाते पक्षी,
पीड़ा उन्हें सुनाते हैं।
कानन-वन की सारी बातें,
चूँ चूँ वे बतलाते हैं।।
हाथ जोड़ते विनती करते,
थोड़ा सा रख दो पानी।
प्यास बुझा कर उड़ जायेंगे,
हम नन्हीं चिड़िया रानी।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

अच्छाई का मुखौटा

अच्छाई का मुखौटा पहने
बुराई छिपी है,
दूसरे के कंधे में बंदूक रख
चला रही गोली।
खून से लथपथ
अच्छाई का अधमरा शरीर,
पीड़ा से चीख कर
मुँह से निकली बोली।।
मैंने क्या बिगाड़ा था
किसी का जो मारा?
समाज को जगाने हेतु
सत्य बात कही थी।
उन्नति होती, जन कर्म करके
ऊपर उठते,समुदाय को
भड़काने की बात नहीं थी।।
रात की तीव्र सिसकियाँ
दिन में दब जाती है,
हाथों में कलम लेकर
लिखते सभी तकदीर।
परिस्थिति में परिवर्तन की
महा क्रांति होती,
गरीबी की बेड़ियाँ तोड़कर
बन जाते अमीर।।
मैं तो चला गया
इस दुनिया को छोड़ कर,
लेकिन मेरी आवाज गूँजेगी
हर सीने में।
तुम पर ही सवाल उठेगा,
जवाब देना तुम?
मजा नहीं है चेहरा बदल
जिंदगी जीने में।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

बच्चों में ईश्वर अल्लाह बस्ते हैं

घर की चौखट चहकती है
बच्चे जब हंसते हैं
महकता है घर
जिसमें बच्चे बसते हैं
संस्कारवान बच्चे
धन सम्मान सेवा के रस्ते हैं
बच्चों में ईश्वर अल्लाह बसते हैं
हर छल कपट दांवपेंच से दूर रहते
अबोध बच्चे
खिलखिलाकर हंसते हैं
किसी के ऊपर
ताने तंग नहीं कस्ते हैं
क्योंकि बच्चों में
ईश्वर अल्लाह बसते हैं
बच्चे न कोई शिकायत गिले-
शिकवे करते हैं
वह बेटी या बेटा हूं
अनजान रहते हैं
ना किसी की बुराई
ना गुणगान करते हैं
क्योंकि बच्चों में
ईश्वर अल्लाह बसते हैं
नारी को मां बनने का
सम्मान देते हैं
पिता के गौरव और अभिमान होते हैं
मत मारो कोख में
वह एक नन्हीं सी जान है
बच्चे में समाए होते ईश्वर अल्लाह हैं
गम खुशी नहीं समझते
हमेशा हंसते हैं
दिल जुबां में कुछ नहीं बस हंसते हैं
स्कूल जाते पीठ पर भारी बसते हैं
तकलीफ नहीं बताते बस हंस्तें हैं

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

माहौल-ए-बंदिश

हयात ए ग़म भुला दिया,
पल भरको बारिश में।
ख़िलने लगी है आरज़ू ,
माहौल ए बंदिश में।
मुद्दत के बाद जिंदगी को,
इस तरह देखा,
लबों पे तबस्सुम है,
ग़म खो गये दानिश में।
शबनम में नहाए हुये,दिलकश ये नज़ारे,
भीगी हुयी ज़मीं है,
दुल्हन के ज़ेबाईश में।
नज़रें न यूं झुका जरा,
पलकों को तू उठा,
जाने दे डूब जिंदगी,
इस पल की कशीश में।
इस पल को कैद करले, जाने हयात तू,
जल जाए न कहीं फिर,
गमों की आतिश में
अल्लाह करम करना,
रहवर की नवाजिश है,
हो जाए कुछ सबाब भी
स्वाती की गुज़ारिश में

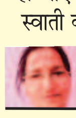
पुष्पा स्वाती
मुम्बई

इन आंखों में बसा के

आंखों में तुझे संजोया हमने
एक ख्वाब मानो बोया हमने
तन्हाइयों के लम्हातों में, कुछ
रानाईयों का मोती पिरोया हमने
यादों की बारिशों में खुद को
क़तरा क़तरा भिगोया हमने
तूने रूह मेरी तो छू ली, तन
इश्क़ के दरिया डुबोया हमने
तेरे ही रंग में रंग चुके हम
ख़ुद में ख़ुद को भी खोया हमने
एक रूहानी राबता है तुझसे
ये तूने कहा, या कि गोया हमने

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

सोचता नहीं

कैसे निबाहें चाहत के
खुद से भी राब्ता नही।
कुछ मेरे भी ख्वाब है,
अहले जहां सोचता नही।
कहाँ बसर करें,
अब ख्वाबों के नन्हें परींदे,
टूटा है दरिया, पलकों पे
सैलाब ठहरता नही।
सारी इबादत फिजूल,
सारे सजदे बेकार,
रुठा है मेरा खुदा,
वो मेरी जानिब देखता नही।
कुछ तुम कहो,
कुछ हम हाले दिल सुनाए,
मगर वक्त का पहिया
कभी ठहरता नही।
गए थे बाजार में बेचने
अपने जजबात,
लौटे है नाकाम,ये सामान
यहाँ बिकता नही।

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

देश की जनसंख्या में बड़ी भागीदारी रखने वाली स्त्रियां भी अभी मूल अधिकारों से वंचित

देश की विशाल जनसंख्या मैं 50त्न की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के निर्वाचित होने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति चयनित होने के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45त्न से 50त्न भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही हैद्य आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थीद्य अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता हैद्य परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण हैद्य महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैद्य सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंद्य और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया हैद्य महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं ।महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता था 2008 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर महिलाओं को परमानेंट कमिशन पर रखा जाने लगा।यह नारी सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मील का पत्थर साबित हुआद्य सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए सम्मान को भी दांव पर लगा रही हैं लड़कियां

सोशल मीडिया आज के समाज के लिए अच्छा है या बुरा, यह हम सभी अभी तक तय नहीं कर सके हैं। इसमें शायद तीस-सत्तर का रेसियो आ सकता है। यह सवाल मन में उठता है तो मन में यह विचार आता है कि सोशल मीडिया का हाइप क्रिएट करने वाले मूल तो हम ही हैं न। इसे इतना महत्व देने वाले भी हम ही हैं। अभी जल्दी दो मामले ऐसे सामने आए, जिन्होंने हमें इस बारे में काफी सोचने को मजबूर कर दिया। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर की एक नौ साल की लड़की से उसके पिता ने घर जा कर पढ़ने बैठने के लिए कहा तो इसके लिए उसने आत्महत्या कर ली। इस लड़की को उसके आसपास के लोग %इन्स्टा क्वीन कह कर बुलाते थे। वह अक्सर इन्स्टा पर रील बना कर पोस्ट करती थी। एक नौ साल की लड़की को पढ़ने बैठने के लिए कहने पर इतना बड़ा कदम उठाना कितनी दुखद बात है। आखिर ऐसा उसके दिमाग में कैसे आया होगा?

दूसरा मामला दिल्ली का है। दिल्ली में एक लड़की मेट्रो में सेमी न्यूड कपड़े पहन कर घूमती मिली थी। किसी का उसके कपड़ों से जज न करना, पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इस तरह कंट्रोवर्सियल कपड़े पहन कर जाने का मतलब? उस लड़की के कपड़े ऐसे थे, जिससे साफ लग रहा था कि वह वायरल होना चाहती थी।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म ऐसा है, जिसमें आप रातोरात फेमस हो सकती हैं। एक बार बस आप की वीडियो या हरकत वायरल हो जाए यानी बात पूरी। यहां कच्चे बादाम वाले अंकल को उनके गाने के कारण जबरदस्त पब्लिसिटी मिल जाती है, तो बचपन का प्यार वाला लड़का भी इसी तरह प्रसिद्ध हो जाता है। अब फेमस होना है तो आप को फिल्मों में जाने की राह नहीं देखनी पड़ती, आप को स्ट्रगल करने की जरूरत नहीं है, आप कोई ऊटपटांग हरकत कर के सोशल मीडिया पर उसे पोस्ट कर दें। वह वायरल हो जाए, बस आप फेमस। नो डाऊट, यह प्लेटफार्म पर आप को खासी कमाई कराता है। इस प्लेटफार्म द्वारा लोग खूब कमाई कर भी रहे हैं, पर इस प्लेटफार्म पर सफल होने के लिए लड़कियां किस-किस तरह के तमाशे करती हैं, यह चिंता की बात है।

सफलता के लिए आप क्या-क्या कर सकती हैं

सोशल मीडिया पर सफल होने की लालच और कम मेहनत में अच्छी-खासी कमाई करने की लालच व्यक्ति को किस हद तक ले जाती है, यह सचमुच चिंता की बात है। एक बार सफलता मिल जाए तो फिर उसे बनाए रखने, लाइक या कमेंट के बारे में सख्त इमोशनल लड़कियों को जब यह नहीं मिलता तो वे कितनी नर्वस हो जाती हैं अथवा इसे पाने के लिए कितना विवादास्पद बर्ताव कर सकती हैं, यह भी एक गंभीर विषय है। आंकड़े बताते हैं कि सोशल मीडिया के कारण आत्महत्या के मामले पिछले पांच सालों में लगभग 40 प्रतिशत बढ़े हैं। खैर, आजकल सोशल मीडिया पर आजकल जो बहुत कॉमन ट्रेंड चल रहा है, वह है विवादास्पद होना। आप को यहां सफल होना है, आप को यहां अपनी सफलता बनाए रखनी है, तो आप से जितना हो सके, उतना अधिक विवादास्पद बनिए। पहले की तरह सत्य या प्रामाणिकता का महत्व अब काफी कम हो गया है। अलबत्त, सभी ऐसे नहीं हैं, अधिकतर लोग सोशल मीडिया पर अच्छा कंटेंट परोसते हैं। इस तरह के कंटेंट के लिए वे मेहनत भी करते हैं। पर सभी एक जैसे नहीं होते। अधगगरी छलके बगैर नहीं रह सकती, इसके अनुसार तमाम लोग सोशल मीडिया पर फेमस बने रहने के लिए जो नहीं करना चाहिए, इस तरह का तमाशा करती हैं। इसमें दूसरों को नीचा दिखाने से ले कर अपने विवादास्पद वीडियो, खुलेआम गालियां बकना, किसी के साथ हुई व्यक्तिगत चैट की स्क्रीनशॉट सार्वजनिक करना आदि इस तरह की तमाम बातें शामिल हैं। बात मात्र इतनी है कि फेमस होने के लिए वे किस हद तक जा सकती हैं, यह तय करना मुश्किल है।

यहां कोई पैमाना नहीं है

सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफार्म है, जहां कोई पैमाना लागू नहीं होता, इसलिए लोग बिंदास हो कर बहुत कुछ पोस्ट करते हैं। नो डाऊट, हम डेमोक्रेसी को मानते हैं, यह भी सच है कि हम आजाद देश के आजाद नागरिक हैं, पर सार्वजनिक प्लेटफार्म पर आप कैसा व्यवहार कर रही हैं, यह आप को स्वयं तय करना होता है। सार्वजनिक रूप से अमुक तरह का व्यवहार शोभा नहीं देता। खुल कर जीने और ओछा व्यवहार करने में बहुत अंतर है। आप अच्छा व्यवहार कर के भी खुल कर जी सकती हैं। इसके लिए विवादास्पद बर्ताव करने की जरूरत नहीं है। परंतु अब लोगों को प्रसिद्धि पाने का आसान रास्ता विवादों में आने का दिखाई देने लगा है। यहां विवादास्पद बर्ताव और वचन से लोग बहुत जल्दी वायरल बन सकते हैं यानी बिना मतलब की मेहनत करने के बजाय विवादास्पद बन कर या बर्ताव कर के आसानी से ट्रोल होना अधिक पसंद करती हैं। आखिर ऐसा करने का मतलब क्या है? यह सफलता कब तक टिकी रहेगी?

हारा जुआरी डबल खेलता है

आप एक बार विवादास्पद बर्ताव या वचन से वायरल हो जाएं और लोग आप को पहचाने लगें तो? एक बार ऐसा होने पर आप ने जो भी पोस्ट की है, आप ने कुछ विवादास्पद बात या चीज पोस्ट की और उसके वायरल होने के बाद यह लोगों के लिए सफलता की सीढ़ी बन जाती है। उसके बाद तो सफल होने के लिए हमेशा वैसा ही कंटेंट तलाशती रहती हैं, जो विवादास्पद हो और जिसे वायरल कर के तमाम लाइक या कमेंट मिल सकें। ऐसा करने में व्यक्ति कभी-कभी इस हद तक चला जाता है कि उसे पता नहीं रहता। यहां हारा हुआ जुआरी डबल खेलता है, वाली परिस्थिति बन जाती है। एक बार सफल होने के बाद इस सफलता को बनाए रखने के लिए पहले से भी दमदार रील डालनी है, यह सोच कर लोग तमाम सीमा लांघ जाते हैं। यहां यह सोचने लायक है कि विवादास्पद बर्ताव या वचन सफल बना सकता है, पर आप के सम्मान का क्या? क्या विवादास्पद बर्ताव से मिली सफलता आप के सम्मान को बनाए रखेगी?

स्नेहा सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज अम्बिकापुर के प्रवास पर

शांति व्यवस्था के लिए अधिकारियों की लगी ड्यूटी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 अप्रैल 2023 को जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के प्रवास पर रहेंगे। उक्त आगमन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस हेतु अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त दण्डाधिकारी ए.एल. ध्रुव को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम अंबिकापुरडी.एस. उईके, तहसीलदार अंबिकापुर भूषण सिंह मंडावी और तहसीलदार मैनपाट शिवनारायण राठिया को संपूर्ण प्रभार एवं मुख्य मंच कार्यक्रम स्थल, डिप्टी कलेक्टर बी.आर. खांडे तथा प्रभारी नायबतहसीलदार लखनपुर प्रांजल गोयल को प्रेस मीट कार्यक्रम, एसडीएम सीतापुर रवि राही तथा प्रभारी तहसीलदार दरिमा प्रमोद देवहरे को वीआईपी एवं मीडिया दीर्घा, डिप्टी कलेक्टर जे.आर. सतरंज तथा नायब तहसीलदार संजय कुमार कार्यक्रम स्थल पुरुष दीर्घा, एसडीएम उदयपुर श्रीमती शिवानी जायसवाल, तहसीलदार सीतापुर मुखदवे यादव व तहसील लखनपुर श्रीमती गरिमा ठाकुर को ग्रीन रूम महिला दीर्घा, एसडीएम धौरपुर राम सिंह ठाकुर नायब तहसीलदार अम्बिकापुर संजीत पाण्डेय तथा नायब तहसीलदार बतौली श्री आकाश गौतम सर्किट हाउस, डिप्टी कलेक्टर नीरज कौशिक तथा तहसीलदार धौरपुर रवि भोजवानी को हेलीपेड, नायब तहसीलदार अम्बिकापुर अजय गुप्ता को कलाकेन्द्र मैदान मुख्य द्वार, नायब तहसीलदार राम सेवक पैंकरा कलाकेन्द्र मैदान पश्चिमी द्वार एवं प्रभारी तहसीलदार बतौली को कलाकेन्द्र मैदान पूर्वी द्वार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के तैयारी का खाद्य मंत्री ने लिया जायजा

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत बुधवार को कलाकेंद्र मैदान में आवश्यक तैयारी को देखने के लिए पहुँचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि गुरुवार को सर्व यादव समाज अंबिकापुर द्वारा आयोजित स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल होने के लिये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अंबिकापुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए खाद्य मंत्री भगत कलाकेंद्र मैदान पहुँचे। यहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों के साथ मुख्य मंच, बैठक व्यवस्था, दर्शक दीर्घा आदि की जानकारी ली। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गरिमा के अनुरूप सभी प्रकार की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कुंदन कुमार, डीएफओ पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगई, एसडीएम डीएस उइके, सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित थे।

अटल टिंकरिंग लैब में वैज्ञानिक पद्धति से किया जा रहा व्यक्तित्व विकास

- » सलका हायर सेकेण्डरी स्कूल में हुआ आयोजन
- » शासकीय स्कूल में 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन

- संवाददाता -
उदयपुर,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

निजी विद्यालयों के तर्ज पर छात्र छात्राओं को समय के सदुपयोग करने के साथ-साथ नई चीजों तक दूरस्थ अंचल के विद्यार्थियों को जोड़े रखने के लिए ATL महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. 19 अप्रैल 2023 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका विकासखंड उदयपुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ में स्थित एटीएल (अटल टिंकरिंग लैब) के द्वारा आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन किया गया . समर कैंप से संबंधित समस्त गतिविधियां विद्यालय के व्याख्याता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ऋषि कुमार पांडेय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में हुआ. समापन के इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बाल भगवान राम के अतिथि उद्बोधन के पश्चात मुख्य अतिथि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष राजीव सिंह देव जी के द्वारा विद्यालय में संचालित इस प्रकार की गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अन्य गतिविधियों के साथ-साथ टिंकरिंग पर विचार करें .हमेशा एक नया करने की सोच रखना चाहिए. विद्यार्थियों को चाहिए कि परिवर्तनशील समय के साथ अधिक से अधिक तकनीकी ज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग के बारे में जानने का प्रयास करें तथा आपका अटल टिंकरिंग लैब आपको तकनीकी विज्ञान से जोड़ने के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म तैयार करता है .कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए हुए छात्र-छात्राओं के द्वारा 14 प्रदर्शनी का आयोजन टेक्नोलॉजी इन डेली लाइफ विषय पर किया गया. छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए कार्यशील मॉडल आकर्षक एवं दैनिक जीवन के लिए उपयोगी है .जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स के सामानों का प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों ने कार्यशील मॉडल के बारे में अच्छे से समझाया . तथा एक अच्छा प्रदर्शन का प्रयास किया . इन विज्ञान के उत्पादों को घर में उपयोग कर बिजली और पानी की बचत की जा सकती है। इन उत्पादों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन की आवश्यकता है। 10 दिवसीय कैंप में मुख्य रूप से कृष कुमार, गरिमा दास ,अर्चना मेहता, समीक्षा, श्रद्धा जायसवाल ,सिद्धार्थ. गुलशन .देवव्रत .शताक्षी .विशाखा. हंसिका. शाहिना खातून. आकांक्षा, आदित्य के द्वारा सभी परियोजना कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया .प्रस्तुतीकरण में अतिथियों के द्वारा विभिन्न प्रकार से प्रश्न पूछ कर प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया गया .तथा उन्हें प्रोत्साहित किया गया .अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को यह भी बताया कि इस मॉडल में और किस प्रकार से सुधार किया जा सकता है और इस मॉडल को और किस प्रकार के कार्यों में प्रयुक्त किया जा सकता है.

कार्यक्रम के इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विद्यालय के एसएमडीसी अध्यक्ष राम नारायण सिंह एवं सदस्य एवं ग्राम सरपंच राम सिंह एसएमडीसी उप समिति के सदस्य भरत लाल गुप्ता एवं मुन्ना राम विकासखंड उदयपुर के सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी हेम प्रकाश साहू ने अपने विचार रखें तथा छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन किया. व्याख्याता मेरी बहालेन धान ,आशीष कुमार, गुरदास महंत, मंजू एकका, नरसिंह सूर्यवंशी. व्यायाम शिक्षक ,अतिथि शिक्षक संतोष पांडे ,घनश्याम प्रसाद ,रोहित बंजारा, श्रीमती तूलेश्वरी सिंह राखी कुमार के साथ-साथ जहीर खान, राकेश कुमार, सुश्री भारती सिंह एवं अन्य विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए एसएमडीसी की ओर से ऋषि कुमार पांडे को शुभकामनाएं ज्ञापित की गई तथा भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए एसएमडीसी सदैव अपने सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे.

ग्रामीण अंचल के कृषक पुत्र को मिला डॉक्टर की उपाधि

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का नवम दीक्षांत समारोह 18 अप्रैल को संपन्न हुआ। ग्राम खोखनियां जिला बलरामपुर के किसान शिवनारायण प्रसाद जयसवाल के पुत्र डॉ. सचिन कुमार जयसवाल को कृषि कीट विज्ञान में पीएचडी उपाधि प्राप्त कर पूरे गांव, परिवार एवं गुरुजनों का नाम रोशन किया। डॉ. जायसवाल ने बताया कि वे किसानों के लिए कृषि के क्षेत्र में अच्छा कार्य के साथ ही खेतीबाड़ी से जुड़े समस्याओं को निदान करने के रोकथाम व उपाय किसान भाइयों को बताते रहते हैं।

अवैध कोल खनन के लिए किए गए गड्ढों को जेसीबी से पाटा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। जिले मे अवैध कोयला उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण करने के उद्देश्य से प्रशासन व पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके मद्देनजर अवैध कोल खनन वाले क्षेत्रों में तस्करों द्वारा किए गए गड्ढों को समय-समय पर पाटने की कार्रवाई की जाती है। एक बार फिर कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन, अनुविभागिय अधिकारी पुलिस ग्रामीण अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता, खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों मे पहुंचकर जांच की गई। मौके पर लखनपुर अंतर्गत ग्राम परसोड़ी, गुमगरा कला एवं अन्य प्रभावित क्षेत्रों मे अवैध कोयला उत्खनन करने हेतु कई गड्ढे पाए गए।

इन गड्ढों को जेसीबी के माध्यम से पाटा गया। जिला प्रशासन एवं सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार प्रभावित क्षेत्रों मे दबिश देकर अवैध कोयला उत्खनन पर प्रभावी कार्यवाही कर नियंत्रण किया जा रहा है। वहीं अधिकारियों ने अवैध उत्खनन के मामलों में सख्त कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। कार्यवाही मं थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता, खनिज अधिकारी विवेक साहू, प्रधान आरक्षक अनिल कामरे, बलभद्र, आरक्षक देवेंद्र सिंह, ज्ञानचंद सहित पुलिस व खनिज विभाग के कर्मचारी शामिल रहे।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के सिकंदर कुजूर की बाइक कमोदा बिहार के पास से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चेरी कर ली गई थी। सिकंदर कुजूर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। पता तलाश के दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की भगवानपुर क्षेत्र में एक युवक चोरी की बाइक से घूम रहा है। पुलिस ने संदेही विक्की मंडल निवासी गांधीनगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह चोरी की बाइक से घुमने की बात स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की बाइक भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, अमृत सिंह, प्रविंद्र सिंह शामिल रहे।

लोक अभियोजक व अतिरिक्त लोक अभियोजक की सेवाएं समाप्त

- संवाददाता -
अम्बिकापुर ,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विधि और विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अनिल कुमार पांडेय ने एक आदेश जारी कर अंबिकापुर में नियुक्त लोक अभियोजक व अतिरिक्त लोक अभियोजक की सेवाएं समाप्त कर दीं हैं। विधि और विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव द्वारा जारी आदेश के तहत शासकीय लोक अभियोजक अंबिकापुर के पद पर 22 मार्च 2021 से नियुक्त संतोष कुमार सिंह तथा 6 फरवरी 2021 से अतिरिक्त लोक अभियोजक के पद पर नियुक्त हेमंत तिवारी की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

चंगाई सभा को लेकर जनजाति सुरक्षा मंच ने जताई आपत्ति,एसडीएम और थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
लखनपुर ,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम अरगोती में मसीही समाज के द्वारा उत्सव के तहत चंगाई सभा का आयोजन 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक किया जा रहा था जिसे लेकर जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों ने आपत्ति जताते हुए बुधवार को एसडीएम श्रीमती शिवानी जयसवाल थाना प्रभारी भोज कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंप कार्यक्रम की अनुमति प्रदान नहीं किए जाने को लेकर मांग की है। ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि अरगोती में मसीही उत्सव के नाम पर 20 से 22 अप्रैल तक चंगाई सभा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें ईसाई समुदाय विस्प जयवंत तिर्की द्वारा मुख्य वाचन होगा उनके साथ अन्य धर्म प्रचारक भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को केवल धर्मांतरण की मंशा से आयोजित किया जा रहा है जिससे क्षेत्र में सद्भावना व सौहार्द की दृष्टि से उचित नहीं है। कार्यक्रम के होने से तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो सकती है। इस कार्यक्रम पर आपत्ति जताते हुए अनुमति प्रदान नहीं करने को लेकर जनजाति सुरक्षा मंच के पदाधिकारियों के द्वारा एसडीएम श्रीमती शिवानी जयसवाल और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान सुरक्षा मंच के प्रांत संयोजक इंद्र भगत ,जिला संयोजक बिहारीलाल , भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू फुलेश्वरी सिंह, यतेंद्र पांडे ,चंद्रिका यादव ,कपिल राजवाड़े, विक्रम सिंह, सतनारायण साहू, अजय सोनी, मनोज राजवाड़े, भारत सिंह, गोविंद यादव, पारस रजवाड़े, भैया लाल साहू रितेश गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

हत्या के प्रयास मामले में एक आरोपी गिरफ्तार,थाना भटगांव पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

बीते दिन बुधवार को ग्राम श्यामनगर निवासी ओम प्रकाश यादव ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18 अप्रैल के रात्रि में इसके गाँव का बसंत राजवाडे इसके भतीजा देव प्रकाश यादव के घर के पास आकर बोलने लगा कि तुम्हारा छोटा भाई कहाँ है, पत्नी से बातचीत क्यों करता है कहकर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया और लोहे के चाकू से हत्या करने की नियत से देव प्रकाश के हाथ व पेट में चाकू से हमला कर प्राण घातक चोट पहुंचाया जिसे उपचार के लिए अम्बिकापुर लेकर गए है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमाँक 33/23 धारा 294, 307, 435 भादसं. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने मामले के आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी बसंत राजवाडे पिता राम कृष्ण राजवाडे उम्र 30 वर्ष निवासी मदनपुरपारा श्यामनगर थाना भटगांव को घेराबन्दी कर पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला जरब जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू, एसआई सी.पी.तिवारी, एएसआई सुमन्त पाण्डेय, गुरू प्रसाद यादव, प्रधान आरक्षक सुन्दरलाल, शत्रुधन पोर्ते, आरक्षक मनोज जायसवाल, मोहम्मद नौशाद, संतोष जायसवाल, प्रकाश साहू, भोलाशंकर राजवाडे, प्रहलाद पैकरा, शैलेश राजवाडे व रामचन्द राम सक्रिय रहे।

पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर शिवसेना ने किया धरना प्रदर्शन

रश्मि नर्सिंग होम मे ऑपरेशन के बाद जच्चा-बच्चा के मौत का मामला

- संवाददाता -
सूरजपुर,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

रश्मि नर्सिंग होम मे ऑपरेशन के बाद जच्चा बच्चा की मौत के मामले में स्त्री रोग विशेषज्ञ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने व पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर शिवसेना ने रंगमंच मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर नाराजगी का इजहार किया। इस दौरान शिवसेना ने चेतावनी दी कि महिला चिकित्सक पर कार्रवाई नहीं होने पर शिवसेना उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी।

बता दें कि रश्मि नर्सिंग होम में गर्भवती महिला के ऑपरेशन से प्रसव में बच्चे के मृत होने के साथ ही उसी रात महिला की मौत हो जाने के मामले में महिला के स्वजनों द्वारा महिला चिकित्सक डॉक्टर रश्मि कुमार एवं नर्सिंग होम के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शुरुआत से ही कार्यवाही की मांग की जा रही है। इस मामले में महिला चिकित्सक पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वही चिकित्सकों की टीम द्वारा भी मामले की जांच की गई है, लेकिन उसके बावजूद घटना के पखवाड़े भर बाद ही मामले में कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है।

मामले को लेकर शिवसेना की जिला इकाई द्वारा बुधवार को महिला चिकित्सक डॉ रश्मि कुमार के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज करने समेत पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर रंगमंच मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। शिवसेना नेता ज्ञानेश कुमार शास्त्री ने प्रशासनिक कार्यवाही को भी सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रश्मि कुमार द्वारा जिला मुख्यालय से सटे ग्राम तिलसिवां में किसी दूसरे के नाम से प्राइवेट नर्सिंग होम का नियमों को ताक पर रखकर संचालन किया जा रहा है। उन्होंने महिला चिकित्सक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की।

शिवसेना नेता ने जिला चिकित्सालय में व्याप्त भर्राशाही पर भी तंज कसते हुए कहा कि राजनैतिक संरक्षण में जिला चिकित्सालय में भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उंक्त संवेदनशील मामले में पखवाड़े भर बाद भी मामले के दोषियों पर कोई कार्यवाही नही की गई है। मृतक महिला के पिता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने भी महिला चिकित्सक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नही किया है। पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राज्य सरकार भी संवेदनहीन हो चुकी है। अन्य वक्ताओं ने भी प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवार के साथ न्याय करने की मांग की।

धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में शिवसेना के ज्ञानेंद्र कुमार सारथी, जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव, प्रीति शास्त्री, उमेश चंद्र श्रीवास्तव, मोहन सिंह टेकाम, पिंकी पटेल, संतोष गोयन, राम शिरोमणि पटेल, कृष्णा सिंह, मोहर दास, प्रशांत गुप्ता, दलपति सिंह, सरोज देवांगन, भवन सिंह, अनीता सिंह, मुकेश सिंह, आनंद कुमार, रामकुमार सैनी आदि के नाम प्रमुख है।

CMYK

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग करने का लिया संकल्प, इन क्षेत्रों में करेंगे काम

करुइजावा, 19 अप्रैल 2023। दुनिया के सात अमीर देशों के समूह जी-7 के विदेश मंत्रियों ने मंगलवार को स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के महत्व को दोहराया और भारत के साथ सहयोग का संकल्प लिया। जी-7 ने इसके साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आसियान दृष्टिकोण के अनुरूप सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी की।

यह टिप्पणियां मध्य जापान के नागानो के करुइजावा में आयोजित तीन दिनी बैठक में सामने आई हैं। जी-7 के विदेश मंत्रियों ने कहा, हम मुक्त व खुले हिंद-प्रशांत को कानून के शासन के आधार पर समावेशी, समृद्ध, सुरक्षित क्षेत्र बनाना चाहते हैं, जो संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, मौलिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों सहित साझा सिद्धांतों की रक्षा करता है।

जी-7 के विदेश मंत्रियों की साझा विज्ञप्ति में बताया गया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने के लिए हम अपने भागीदारों का स्वागत करते हैं। हम आसियान और इसके क्षेत्रीय भागीदारों के साथ अपने समन्वय को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। मंत्रियों ने प्रशांत द्वीप देशों के साथ साझेदारी की फिर से पुष्टि की और छोटे द्वीप विकासशील राज्यों पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से प्राथमिकताओं व जरूरतों का समर्थन दोहराया।

रूस के खिलाफ और पाबंदियां बढ़ाएंगे जी-7 देश

जी-7 के विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ पाबंदियां बढ़ाने का संकल्प लिया है। मंगलवार को खत्म हुई बैठक के बाद एक साझा बयान में जी-7 ने कहा कि हम रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को बढ़ाने और उन्हें पूरी तरह लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, युद्ध अपराधों व नागरिक तथा बुनियादी ढांचों पर रूसी हमलों पर कोई दंड मुक्ति नहीं हो सकती।

जी-7 के विदेश मंत्रियों की बैठक में चीन-ताइवान और उत्तर कोरिया की आक्रामकता पर भी चर्चा हुई। इस दौरान ग्लोबल साउथ देशों के साथ सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर भी बातचीत की गई।

बेलारूस में एटमी हथियारों की तैनाती की धमकी 'अस्वीकार्य'

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बेलारूस में एटमी हथियारों की तैनाती की धमकी की जी-7 देशों ने निंदा करते हुए इसे 'अस्वीकार्य' बताया है। उन्होंने इसे रूस की गैरजिम्मेदाराना हरकत बताया।

यूक्रेन से कब्जाए 2 प्रांतों में रूसी सैनिकों से मिले पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के मुख्यालय का दौरा किया है। क्रेमलिन द्वारा मंगलवार को जारी एक वीडियो में दिख रहा है कि पुतिन दक्षिण खेरसॉन में रूसी बलों के कमान केंद्र का दौरा कर रहे हैं।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के फेफड़ों में संक्रमण, तबीयत बिगड़ी, इलाज के लिए लाया जाएगा दिल्ली एम्स

काठमांडू, 19 अप्रैल 2023। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें सांस लेने में परेशानी के बाद तत्काल इलाज मुहैया कराने के लिए मंगलवार को नेपाल के महाराजगंज स्थित नामी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, स्थिति न सुधरने के बाद उन्हें दिल्ली के एम्स शिफ्ट किया जा रहा है। बताया गया है कि पौडेल को की जांच में उनके फेफड़ों में संक्रमण की बात सामने आई है।

राष्ट्रपति के सलाहकार के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने के बाद हम उन्हें अस्पताल ले गए। वह 15 दिनों से एंटीबायोटिक्स ले रहे हैं, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल %प्रचंड% भी अस्पताल पहुंचे और राष्ट्रपति पौडेल का हालचाल जाना। राष्ट्रपति पौडेल एक महीने के भीतर दूसरी बार अस्पताल में भर्ती हुए हैं। अप्रैल के शुरुआत में राष्ट्रपति को पेट में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

चीन के अस्पताल में भीषण आग का मंजर, जान बचाने के लिए खिड़की पर एसी से लटके दिखे लोग, कई ने लगा दी छलांग

बीजिंग, 19 अप्रैल 2023। चीन की राजधानी बीजिंग के एक अस्पताल में भीषण आग लगने से 29 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई है। भीषण आग का मंजर बेहद ही खौफनाक था। आग की लपटें और धुए का गुबार दूर तक देखा जा सकता था। आग से बचने के लिए कुछ लोग एसी पर खड़े हो गए तो वहीं कुछ ने छलांग लगाना शुरू कर दिया। बता दें, अभी तक 71 लोगों को बचाया लिया गया है।

आग के कारणों का नहीं पता

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के चांगफेंग अस्पताल में हुआ है। फिलहाल हालांकि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोपहर में लगी थी आग

चांगफेंग अस्पताल में यह आग दोपहर करीब 12.57 बजे लगी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड़ ने काफी मुश्किलों के बाद आग को बुझाया पाया। बताया गया कि आग इतनी तेजी से फैली कि इसने अस्पताल के पूर्वी विंग को अपनी चपेट में ले लिया। इस विंग में गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जाता था।

सोशल मीडिया पर चर्चा

इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग आग से बचने के लिए चादर का सहारा लेकर छलांग लगा रहे हैं। तो वहीं कुछ लोग एसी पर बैठे नजर आए। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा कि यह दुखद है। मैं अपने घर की खिड़की से दुर्घटना देख सकता हूं। दोपहर के समय बहुत सारे लोग एयर कंडीशनिंग यूनिट पर खड़े थे और उनमें से कुछ जान बचाने के लिए नीचे कूद भी गए।

म्यांमार के मुद्दे पर क्या अब प्रभावी पहल कर पाएगा आसियान? दबाव बनाने में रहा नाकाम

यंगून, 19 अप्रैल 2023। म्यांमार के मुद्दे पर दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ आसियान में मतभेद जारी रहने से यहां के सैनिक शासकों को लगातार राहत मिली हुई है। म्यांमार भी दस देशों के इस संघ का सदस्य है। हालांकि फरवरी 2021 में म्यांमार में सैनिक तख्ता पलट होने के बाद आसियान ने म्यांमार से संपर्क सीमित रखा है। इसके बावजूद आसियान किसी सख्त कार्रवाई पर फैसला करने में नाकाम रहा है। अब यहां के कूटनीतिक हलकों की नजर आसियान की अगली शिखर बैठक पर है।

अगली शिखर बैठक के साथ इंडोनेशिया आसियान की अध्यक्ष बनेगा। समझा जाता है कि वर्तमान अध्यक्ष कंबोडिया का म्यांमार के सैनिक शासकों के प्रति रुख नरम रहा है। इसके पीछे एक कारण कंबोडिया के चीन से करीबी रिश्तों को भी माना गया है। माना जाता है कि यहां के सैनिक शासकों को चीन का समर्थन हासिल है।

अगला आसियान शिखर सम्मेलन छह से 10 मई तक इंडोनेशिया में होगा। इस बीच म्यांमार में राजनीतिक हिंसा बढ़ती जा रही है। सेना और सैनिक शासन विरोधी गुटों के बीच देश के विभिन्न क्षेत्रों में लड़ाई चल रही है। इसे देखते हुए आसियान के कई सदस्य देशों की राय है कि अब इस संस्था को अधिक स्पष्ट रुख तय करना चाहिए।

लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक आसियान के अंदर मतभेद के कुछ बुनियादी पहलू हैं। इस गुट के सदस्य अलग-अलग देश भी अमेरिका और चीन के प्रति अपनी झुकावों के कारण म्यांमार जैसे मुद्दों पर अलग-अलग रुख रखते आए हैं। इसके अलावा मानव अधिकार और शरणार्थी समस्या जैसे मसलों पर भी उनके बीच आम सहमति नहीं है। इन सब कारणों से म्यांमार के सैनिक शासकों पर दबाव बनाने में आसियान नाकाम रहा है। अगले शिखर सम्मेलन के बाद भी स्थिति बहुत बदलेगी, इसकी संभावना नहीं है।

बैंकाक स्थित चुलालोंगकोर्ण यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय के प्रोफेसर थितिनन पोंगसुधिराक ने कहा है कि नई बन रही जमीनी स्थितियां आसियान पर हावी हो गई हैं। वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से बातचीत में उन्होंने कहा- 'अब आसियान को या तो फिर से खुद को संगठित करना होगा, यह फिर यह संगठन अप्रसांगिक हो जाएगा और लोग इसका मखौल उड़ाएंगे।'

म्यांमार में तख्ता पलट होने के बाद आसियान ने वहां की स्थिति से निपटने के लिए पांच सूत्रीय सहमति तैयार की थी। उसके तहत सैनिक शासकों से हिंसा तुरंत रोकने को कहा गया था। लेकिन सैनिक शासकों ने इसकी कोई परवाह नहीं की। बीते 11 अप्रैल को इस सहमति फॉर्मूले के अस्तित्व में आए दो साल पूरा हो गए। लेकिन इससे म्यांमार में कुछ हासिल नहीं हुआ है। बल्कि देश के अंदर हिंसा बढ़ती चली गई है।

इसलिए आसियान के अगले शिखर सम्मेलन को इस संस्था के साथ-साथ नए अध्यक्ष इंडोनेशिया के लिए भी एक अग्नि-परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी प्रभावी मध्यस्थ की छवि बनाई है।

विडोडो के राष्ट्रपति कार्यकाल का यह आखिरी वर्ष भी है। इसलिए यह पूछा जा रहा है कि क्या वे अपनी ये काबिलियत म्यांमार के मामले में भी दिखा पाएंगे?

ऑस्ट्रियन एयरलाइंस का विमान बीच रास्ते से लौटने के लिए हुआ मजबूर

वियना, 19 अप्रैल 2023। ऑस्ट्रियन एयरलाइंस के एक विमान को वियना से न्यूयॉर्क की उड़ान के बीच दो घंटे वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोमवार को बोइंग 777 की वियना से न्यूयॉर्क की उड़ान में करीब 300 लोग सवार थे और उनकी यात्रा आठ घंटे में पूरी होने वाली थी, लेकिन विमान को दो घंटे बाद ही वापस लौटना पड़ा क्योंकि विमान में मौजूद आठ में से पांच शौचालय ठीक से काम नहीं कर रहे थे।

ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि तकनीकी समस्या के कारण शौचालयों को ठीक से फ्लश नहीं किया जा सका, जिसके बाद चालक दल ने वापस लौटने का फैसला किया। प्रवक्ता ने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है, ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की उड़ान में ऐसी समस्या पहले कभी नहीं आई थी। प्रवक्ता ने कहा कि विमान के शौचालय को अब ठीक कर लिया गया है और सेवा में वापस आ गया है। वापस लौटने के बाद प्रभावित यात्रियों को अन्य विमानों से उनके गंतव्य को भेजा गया।

क्या यूक्रेन में अब जेलेंस्की का विकल्प ढूंढा जा रहा है?

ब्रसेल्स, 19 अप्रैल 2023। क्या यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का विकल्प ढूंढा जाने लगा है? कुछ ताजा मीडिया रिपोर्टों में ऐसी अटकलें लगाई गई हैं। कुछ रिपोर्टों में यह कयास भी लगाया गया है कि संभवतः अमेरिका में भी अब जेलेंस्की की जगह किसी बेहतर छवि के नेता को यूक्रेन का नेतृत्व देने पर सोच-विचार शुरू हो गया है। हाल में अमेरिका में कुछ खुफिया दस्तावेज सार्वजनिक हुए थे। उनमें से एक दस्तावेज में कहा गया था कि जेलेंस्की और उनके साथियों ने यूक्रेन को दी गई पश्चिमी सहायता में से 40 करोड़ डॉलर का गबन किया है।

वेबसाइट पॉलिटिको.ईयू ने यूक्रेन के विभिन्न पक्षों के नेताओं से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें बताया गया है कि यूक्रेन का एक खेमा अब जेलेंस्की को ÷समस्या का हिस्सा÷ मानने लगा है। खासकर अपनी तानाशाही प्रवृत्तियों के कारण जेलेंस्की की अलोकप्रियता बढ़ रही है।

पोलिटिको.ईयू की रिपोर्ट में कहा गया है- 'ऐसी बातें यूक्रेन के बाहर के लोगों को आश्चर्यजनक लग सकती हैं। आखिरकार साल भर से जेलेंस्की की यूक्रेनी प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में प्रशंसा की गई है। यहां तक कि उन्हें लोकतंत्र का आइकॉन भी बताया गया है।' लेकिन यूक्रेन के अनेक पर्यवेक्षकों के मुताबिक जेलेंस्की को लेकर देश के अंदर असंतोष बढ़ रहा है। अभी उनकी जो ऊंची एप्रूवल रेटिंग (उनसे संतुष्ट लोगों की संख्या) दिखाई देती है, वह असल में युद्ध के कारण है। आम प्रशासन में उनका रिकॉर्ड खराब रहा है।

राष्ट्रपति बनने के पहले जेलेंस्की एक टीवी स्टार थे। उनका कॉमेडी शो तब बहुत लोकप्रिय था। उस शो में जेलेंस्की राष्ट्रपति की भूमिका निभाते थे। इससे उन्होंने लोगों के मन पर इतना असर डाला कि 2019 के आम चुनाव में यूक्रेन के मतदाताओं ने उन्हें सचमुच राष्ट्रपति चुन लिया। लेकिन उसके बाद उनकी एप्रूवल रेटिंग में तेजी से गिरावट आई थी। बहुचर्चित पैंडोरा पेपर्स में उन पर टैक्स चोरी के अड्डों में धन जमा कराने का आरोप लगाया गया था। इससे भी उनकी छवि खराब हुई।

लेकिन सूरत पिछले साल बदल गई, जब रूस ने यूक्रेन में विशेष सैनिक कार्रवाई शुरू कर दी। इससे उनके विरोधी भी चुप हो गए। लेकिन अब वे फिर से जुबान खोलते नजर आ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक उनके आलोचकों ने अब कहा है कि युद्ध का लाभ उठा कर जेलेंस्की ने अपने राजनीतिक विरोधियों का दमन किया है। इस बीच देश आर्थिक रूप से लगभग तबाह हो गया है।

विपक्षी सांसद मायकोला क्न्याझित्सकी ने पोलिटिको.ईयू से कहा- 'बेशक इस बात की जरूरत है कि हम सरकार को अपना समर्थन दें और एकजुट रहें। लेकिन मैं अपने देश में लोकतंत्र के भविष्य को लेकर चिंतित हूं। युद्ध काल में भी राजनीतिक विपक्ष के लिए जगह बनी रहनी चाहिए। संसदीय निगरानी की गुंजाइश भी बनी रहनी चाहिए।' यूक्रेन के एक पूर्व मंत्री ने इसी वेबसाइट से कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा से जेलेंस्की में अहंकार पैदा हो गया है। वे खुद को दुनिया का सबसे बड़ा राजनेता समझने लगे हैं।

इमरान से बातचीत के सवाल पर पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन में फूट

इस्लामाबाद, 19 अप्रैल 2023। पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बातचीत के सवाल पर दो खेमे बन गए हैं। मतभेदों को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सत्ताधारी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) मंगलवार को बैठक बुलाई, लेकिन उसमें कोई समाधान नहीं निकल सका।

जिस समय शरीफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद पंजाब में प्रांतीय असेंबली का चुनाव टलवाने में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है, गठबंधन के एक प्रमुख दल दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने पीटीआई के साथ बातचीत शुरू करने की मांग रख दी है। जबकि पीडीएम में शामिल जमात-ए-उलेमा (एफ) और जम्हूरी वतन पार्टी पीटीआई के साथ किसी प्रकार के संपर्क के खिलाफ हैं। पीटीआई से वार्ता को लेकर प्रधानमंत्री शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) का रुख भी सख्त है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर गठबंधन के भीतर आम सहमति तैयार करने की पहल की है।

पाकिस्तान के अखबार द डॉन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को हुई पीडीएम के टॉप नेताओं की बैठक में पीपीपी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान खान की पार्टी के साथ बातचीत शुरू करने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्त्व के मुद्दों पर पीटीआई से वार्ता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बातचीत के दरवाजे बंद करना लोकतंत्र और राजनीतिक लोकचार के खिलाफ है। साथ ही यह पीपीपी के सिद्धांतों के खिलाफ भी है। बताया जाता है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के नेता चौधरी सालिक हुसैन और गठबंधन में शामिल कुछ अन्य छोटे दलों के नेताओं ने इस मुद्दे पर बिलावल भुट्टो जरदारी का समर्थन किया।

उधर गृह मंत्री राना सनाउल्लाह ने आरोप लगाया है कि बातचीत के रास्ते में इमरान खान ने रुकावट खड़ी कर रखी है। एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने ध्यान दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री खान बातचीत की पेशकश को ठुकरा चुके हैं। लेकिन पीएमएल (नवाज) की नेता और सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने अखबार डॉन से कहा- पीटीआई के साथ बातचीत शुरू करने संबंधित तमाम विकल्पों पर पार्टी के अंदर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला सत्ताधारी गठबंधन के अंदर आम सहमति बनने के बाद किया जाएगा।

सत्ताधारी गठबंधन की बैठक में अगले चुनावों के लिए धन उपलब्ध कराने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इस दौरान एक राय यह उभरी कि सरकार पहले यह तर्क दे चुकी है कि चुनाव कराने के लिए जरूरी सरकार के पास नहीं है। ऐसे में अब धन उपलब्ध कराने के बारे में बात करना खुद अपने रुख को काटना होगा। पंजाब प्रांत में चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सरकार ने कहा था कि चुनाव के लिए आवंटित करने लायक पैसा उसके पास नहीं है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मकसद से 21 अरब रुपये निर्वाचन आयोग को देने का निर्देश सरकार को दिया था।

बैठक मे सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने यह संकल्प भी लिया कि तमाम चुनौतियों के बावजूद वर्तमान सरकार अपना कार्यकाल पूरा करें, इसे वे सुनिश्चित करेंगे। इस सरकार का कार्यकाल इस वर्ष अक्तूबर तक है।

'हमारे पास 90 करोड़ क्वालिटी वर्कफोर्स', भारत के सर्वाधिक आबादी वाला देश बनने पर चीन का बेतुका बयान

बीजिंग, 19 अप्रैल 2023। चीन को पछाड़कर भारत अब दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन गया है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 का अनुमान है कि चीन की चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। यह रिपोर्ट सामने आने के बाद चीन ने एक बार फिर भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। उसने दावा किया कि उसके पास अभी भी 900 मिलियन (90 करोड़) लोगों का गुणवत्ता कार्यबल (क्वालिटी वर्कफोर्स) है, जो विकास में अहम योगदान प्रदान करता है।

जनसंख्या महत्वपूर्ण, लेकिन प्रतिभा भी...

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जनसंख्या लाभांश मात्रा (क्वानटिटी) पर नहीं बल्कि गुणवत्ता (क्वालिटी) पर भी निर्भर करता है। अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि जनसंख्या महत्वपूर्ण है और प्रतिभा भी। चीन की आबादी 1.4 अरब से अधिक है। कामकाजी उम्र के लोग 90 करोड़ के करीब हैं। वांग ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री ली कियांग ने कहा कि हमारी जनसंख्या का लाभांश गायब नहीं हुआ है और हमारी प्रतिभा का लाभांश तेजी से बढ़ रहा है और विकास के लिए प्रोत्साहन मजबूत है।

अमेरिका तीसरे नंबर पर

यूएनएफपीए के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 के जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अनुमान है कि भारत की 25 फीसदी आबादी 0-14 वर्ष के आयु वर्ग, 18 फीसदी 10-19 आयु वर्ग, 26 फीसदी 10-24 वर्ष के आयु वर्ग, 68 फीसदी 15-64 वर्ष आयु वर्ग और 7 फीसदी 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका 34 करोड़ की आबादी के साथ तीसरे नंबर पर है।

165 करोड़ जा सकती है आबादी

यूएनएफपीए की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की है। वहीं 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में और 65 वर्ष से ऊपर 7 प्रतिशत है। वहीं, विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों ने सुझाव दिया है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने की उम्मीद है। इससे आबादी 165 करोड़ हो सकती है।

जनसंख्या में बदलाव

जनसंख्या विशेषज्ञों ने संयुक्त राष्ट्र के पिछले आंकड़ों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाया था कि भारत इस महीने चीन को पीछे छोड़ देगा। कहा गया था कि अभी यह नहीं पता है कि इस बदलाव में कितना समय लगेगा। लेकिन बुधवार दोपहर तक संयुक्त राष्ट्र ने एक और रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। हालंकि भारत की जनगणना साल 2011 में हुई थी।

छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में कमी

गौरतलब है, पिछले साल छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में गिरावट आई थी। इसके बाद चीन की आबादी में कमी ही देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि 2011 के बाद से औसतन 1.2 फीसदी रही है, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह 1.7 फीसदी थी।

क्या कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी ठेकेदारी में व्यस्त...कांग्रेस छोड़ चुके युवक ने 200 लोगों का करा दिया कांग्रेस प्रवेश ?

- संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक की उपस्थिति में कांग्रेस छोड़ चुके युवक ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य सहित 200 को कराया कांग्रेस प्रवेश
- पूर्व जिला पंचायत सदस्य भाजपा की थीं सदस्य,भाजपा के समर्थन में ही जीता था उन्होंने चुनाव
- कांग्रेस के बड़े पदाधिकारियों के साथियों ने हाल में ही छोड़ी है कांग्रेस किया है भाजपा प्रवेश
- आखिर अपने ही साथियों को भाजपा में जाने से क्यों नहीं रोक पाए कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी
- वैसे पूर्व जिला पंचायत सदस्य के साथ 200 लोगों के कांग्रेस प्रवेश मामले में संख्या 30 भी तस्वीरों में नहीं दिखी
- 30 में भी 20 पुराने कांग्रेसी साथ ही विधायक के सहयोगी,200 की संख्या तस्वीरों के अनुसार जुमला

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर, 19 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा में चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है राजनीतिक दलों में आपसी खींचतान मची हुई है और लगातार यह देखा जा रहा है की कभी कांग्रेस से लोग भाजपा में प्रवेश कर रहने रहें हैं तो कभी भाजपा से कांग्रेस में। हाल में ही भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद के विधानसभा के एक ग्राम में आगमन पर जहां कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ पदाधिकारी के सबसे खास रह चुके एक व्यक्ति सहित कइयों ने जहां भाजपा की सदस्यता ग्रहण की वहीं अब ताजा मामला सामने आया है जहां भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य के साथ 200 लोगों ने कांग्रेस प्रवेश किया है। यह कांग्रेस प्रवेश संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक की उपस्थिति में हुआ है और इसका पूरा श्रेय कांग्रेस छोड़ चुके युवक को जाता है जो गत वर्ष ही कांग्रेस छोड़ चुका है।

कांग्रेस छोड़ चुके युवक निलेश पाण्डेय ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य को कांग्रेस प्रवेश कराकर भाजपा का किला भेदा

गत वर्ष ही कांग्रेस को अलविदा कह चुके निलेश पाण्डेय ने पुनः कांग्रेस में अपनी सक्रियता बढ़ाई और लगातार प्रयास कर उन्होंने भाजपा के किले में सेंध लगा पाने में सफलता अर्जित की। निलेश पाण्डेय ने भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य सहित 200 लोगों को कांग्रेस प्रवेश दिला पाने में सफलता अर्जित की है और यह उन्होंने अकेले अपने दम पर किया है जैसा की सूत्रों का कहना है। निलेश पाण्डेय ने कांग्रेस क्यों छोड़ी थी यह अभी तक उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है जबकि अब वह पुनः कांग्रेस ने वापसी कर चुके हैं और सक्रिय होकर काम भी कर रहें हैं। नीलेश पाण्डेय ने अपनी सक्रियता से साबित कर दिया है की उनके आगे कांग्रेस के बड़े बड़े नेता भी बौने हैं चाहे वह पद में उनसे उम्र में उनसे कितने भी बड़े क्यों न हों।

कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी ठेकेदारी में ही हैं मस्त, कैसे नए लोग जुड़े कांग्रेस से नहीं है उन्हे चिंता

एक युवक ने कांग्रेस को बड़ी उपलब्धि दिलाई और जबकि वह पार्टी के किसी भी पद पर वर्तमान में नहीं है। युवक ने भाजपा के किले में सेंध लगाकर साबित किया की वह कांग्रेस पार्टी का सच्चा सिपाही है वहीं कांग्रेस के बड़े बड़े पदों पर बैठे पदाधिकारियों ने आज तक भाजपा के किले में सेंध लगा पाने में खुद की सफलता साबित नहीं कर पाई है और वह अपनी अपनी ठेकेदारी में ही मस्त हैं। बड़े पदाधिकारियों को निर्माण कार्यों से मात्र सरोकार है और वह कितना अधिक से अधिक निर्माण कार्य कर सकें यही उनकी चिंता है उनकी चिंता पार्टी को आगामी चुनाव में जीत दर्ज कराने की बिलकुल नहीं है यह लगातार उनकी गतिविधियों से अंदाजा लगाया जा सकता है। बड़े पदाधिकारी क्षेत्र में जाते भी हैं तो केवल उन्हीं क्षेत्रों में जहां उनकी ठेकेदारी है जनता से जुड़ाव का उनके पास फिलहाल समय नहीं है यह साढ़े चार सालों से लगातार देखा जाता आ रहा है।

संसदीय सचिव बैकुंठपुर विधायक के लिए निलेश पाण्डेय ने दिलाई बड़ी उपलब्धि

पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवम भाजपा की सदस्य सहित 200 लोगों का कांग्रेस प्रवेश बैकुंठपुर विधायक के लिए बड़ी उपलब्धि है जो निलेश पाण्डेय ने विधायक को दिलाई। नीलेश पाण्डेय की ही बदौलत यह प्रवेश संभव हो सका जिसमे स्वयं विधायक मौजूद रहीं। निलेश पाण्डेय ने अपनी राजनीतिक कुशलता से यह संभव किया और विधायक को ऐन चुनाव के समय मजबूती प्रदान किया। विधायक नीलेश पाण्डेय के बुलावे पर पहुंची और उन्होंने 200 लोगों को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई जैसा की बताया जा रहा है।

संगठन सहित पार्टी के बड़े नेताओं के लिए मिशाल कायम कर गए निलेश पाण्डेय

कांग्रेस पार्टी और संगठन के बड़े नेताओं के लिए नीलेश पाण्डेय ने मिशाल कायम कर दी और यह साबित कर दिया की पार्टी के लिए कुछ करना है तो पद महत्वपूर्ण नहीं है बिना पद भी पार्टी के लिए किया जा सकता है और उन्होंने यह कर दिखाया है। पार्टी के जिलाध्यक्ष सहित पूरी पार्टी इकाई एक भी भाजपाई को कांग्रेस प्रवेश करा पाने में जहां पूरे साढ़े चार साल असफल रहे वहीं एक पार्टी छोड़ चुके युवक ने भाजपा की बड़ी नेत्री और उसके साथ सैकड़ों को कांग्रेस प्रवेश करा दिया जो कहीं न कहीं पार्टी के बड़े नेताओं के लिए एक सीख है। स्वयं जिलाध्यक्ष भी पार्टी के लिए एक नया कार्यकर्ता नहीं तलाश पाए अपने ही विकास में वह व्यस्त रहे जो देखा जा रहा है।

200 लोगों का कांग्रेस प्रवेश बताया तो जा रहा है लेकिन तस्वीरों में विधायक सहित संख्या 30 भी नहीं

भाजपा की जिला पंचायत की पूर्व सदस्य सहित 200 लोगों को बैकुंठपुर विधायक के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता दिलाए जाने की बात की तो जा रही है लेकिन यदि तस्वीरों की बात की जाए तो संख्या विधायक सहित 30 भी नहीं है जो दावे को झुठला रही है। 30 में भी 20 लोग विधायक एवम उनके साथ रहने वाले ही लोग हैं जो तस्वीरों से समझा जा सकता है। अब किन 200 लोगों का कांग्रेस प्रवेश हुआ है यह सभी के नाम सामने आने पर ही स्पष्ट हो सकेगा फिर भी आंकड़े और तस्वीर दोनो अलग अलग कहानी बयान कर रहें हैं।

कभी इधर कभी उधर वाले भी तस्वीरों में साथ

तस्वीरों में हर पल पार्टी बदलने वालों को भी देखा जा सकता है।।ऐसे लोग जो लाभ देखकर कभी इधर कभी उधर जिधर लाभ उधर ही जुड़ने वाले नजर आ रहें हैं। ऐसे लोगों के बीच हुए इस कांग्रेस प्रवेश कार्यक्रम की विश्वसनीयता स्वयं ही कमजोर नजर आ रही है जो कहना गलत नहीं होगा।

नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कलेक्टर कोरिया को पत्र लिख नगर वासियों की पेयजल समस्या दूर करने की मांग की

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 19 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

नगर पालिका के पास जल स्रोत का एकमात्र साधन है जीवनदायिनी गेज नदी जो एक धरोहर के रूप में है जल आपूर्ति करते हुए हमारी जीवनदायिनी नदी पूरे शहर और कई ग्राम पंचायतों को प्रभावित करती है नदी का पानी को कई जगहों से रोक दिया जाता है जिससे बराबर पानी इंटकवेल में जमा नहीं हो पाता है, नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका परिषद अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहां जीवनदायिनी गेज नदी का यदि हम सही रूप से संरक्षण नहीं कर पा रहे हैं तो यह हमारे मानव जीवन का आने वाली हमारी पीढ़ियों के लिए बहुत ही दुखदाई होगा। इस नदी को हम सभी हर प्रकार से दूषित नगर वासियों ग्राम वासियों के द्वारा किया जा रहा है और उसी दूषित पानी और दुर्गंध युक्त पानी को हमारे द्वारा फिर ग्रहण किया जा रहा है इसके लिए दोषी कौन है? अभी ग्रीष्म ऋतु शुरू हुआ है और शहर में पेयजल की संकट उत्पन्न हो गई है स्वच्छ पेयजल हम सभी व्यक्ति को अंतिम छोर तक मिले इसके लिए नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कलेक्टर कोरिया एवं नगरपालिका सीएमओ को पत्र लिखकर गेज नदी बांध से लेकर फिल्टर प्लांट बैकुंठपुर नगरपालिका तक पाइपलाइन विस्तारीकरण कराने से नगर वासियों को स्वच्छ पानी मिलने लगेगा इस कार्य मैं सभी का सहयोग मिले राजनीति से परे हटकर हम सब पेजल की समस्या के निदान के लिए सहयोग प्रदान करें, बैकुंठपुर नगर पालिका में नहीं हो रहा है एनजीटी का पालन प्रतिदिन कई जगहों से शहर से निकलने वाला गंदा पानी सीधे तौर पर नदी में प्रवाहित हो रहा है पाइप लाइन से आ रही है दुर्गंध युक्त पानी जिसको ग्रहण करने से मानव शरीर में कई प्रकार की गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही है ऐसा कार्य योजना बनाना चाहिए कि नगर वासियों को दोनों टाइम प्रतिदिन स्वच्छ साफ पेयजल मिल सके।

छुही खदान धंसने से 4 लोगों की मौत

छुही खदान में और कुछ लोगों के दबे होने की जानकारी पर रेस्क्यू जारी

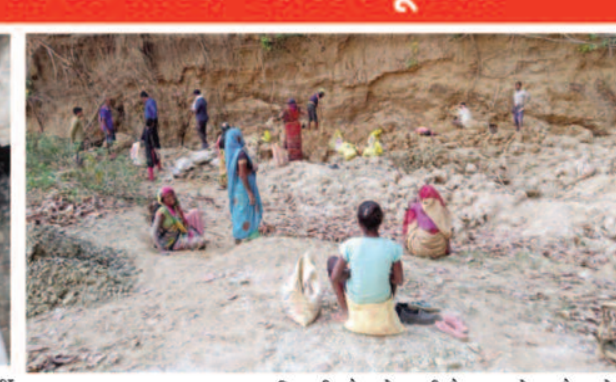

- मरने वाले में 3 महिला व 1 पुरुष

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर/खड़गवां, 19 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खंडगांव के अंतर्गत गे तर बंजारीडांड छुही खदान में मिट्टी निकालने का कुछ लोग खदान धंसने से दब गए जिसमें 4 लोगों की मौत होने की खबर आ रही है, मरने वालों में 3 महिला व 1 पुरुष बताया जा रहा है अभी भी कुछ लोग दबे हैं जिस निकालने के लिए प्रशासन रेस्क्यू कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार शाम 4 बजे को काफी संख्या में गे तर बजरंगीडांड स्थित छूही मिट्टी खदान में मिट्टी निकालने गए लोगों के साथ हादसा हो गया, मिट्टी निकालने के दौरान खदान धस गई, जिसमें कई लोगों के दबे ने की जानकारी आ रहे हैं सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन पहुंची जहां खदान में दबे चार लोगों को निकाला गया, खदान दबने से मरने वालों में 3 महिला व एक पुरुष बताया जा रहा है जिनकी मौत हो चुकी है कुछ लोग और दवे हैं जिसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है, कितने लोग अभी भी दबे हुए हैं इसकी जानकारी अभी तक नहीं आ पाई है पुलिस दबे हुए लोगों के शव बरामद करने व पहचान करने में जुटी हुई। मृतकों के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

क्या नगरपालिका अध्यक्ष होना ही गाड़ी में नंबर प्लेट ना लगाने की देता है अनुमति ?

- क्या जीता हुआ जनप्रतिनिधि होने मात्र से ही वाहन में नंबर प्लेट हो जाता है वर्जित ?
- नाप अध्यक्ष बनते ही आई ब्लैक टाटा की हेलियर लग्जरी कार और नंबर प्लेट की जगह लिखा है नापा अध्यक्ष और माहौल देना हुआ शुरू
- जनप्रतिनिधि होना है क्या यातायात के नियमों को तोड़ने की देता है अनुमति ?
- शिवपुर चरचा नपा अध्यक्ष पति की ऐसी धाक की एसईसीएल में कर्मचारी होने के बावजूद वहां सिर्फ लगती है हाजिरी,बाकी होती है जमकर राजनीति
- अध्यक्ष पति अपने कर्मचारी होने का कर्तव्य छोड़ अपनी पत्नी का अध्यक्ष होने का निभाते हैं दायित्व... कोई कुछ नहीं बोलता
- धाक ऐसी कि एसईसीएल के उच्च अधिकारी भी नहीं कर पाते कोई कार्यवाही
- एसईसीएल के कार्यों का ना.पा. को मिलता है लाभ,साफ-सफाई कराता है एसईसीएल और बिल निकाल लेती है ना.पा. जमकर होता है भ्रष्टाचार

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 19 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

यह तो राजनेताओं ने और उनके परिवारजनों ने तय कर दी है की जो भी नियम बनते हैं वह आम आदमी के लिए बनते हैं आम आदमी ही उस नियम का पालन करें बाकी नियम तोड़ने का ठेका तो राजनेताओं जनप्रतिनिधियों ने और उनके परिवारजनों ने ले ही रखा है उनके लिए कोई भी नियम कानून उन पर लागू ही नहीं होता ऐसे तमाम तरह के उदाहरण कई जगहों पर देखने को मिले जहां पर जनप्रतिनिधियों ने उनके परिवारजनों ने नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं और शासन प्रशासन मौन साधे बैठा है, अभी ताजा मामले पर गौर करें तो कोरिया जिले में दो नगर पालिका क्षेत्र आते हैं बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा, शिवपुर चरचा में स्थानीय विधायक की खास समर्थक को नगर पालिका में अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है, निर्वाचित होने के बाद से ही अध्यक्ष के पति की नेतागिरी का तरीका ही बदल गया है अध्यक्ष पति होने का घमंड उनके अंदर घर कर गया है और विधायक के करीबी होने का भी घमंड उनके अंदर आ गया है, अध्यक्ष पद के घमंड में अध्यक्ष पति इतना चूर हो गए हैं की इनके लिए नियम कायदे कानून कोई मायने नहीं रखते यही वजह है कि पत्नी को अध्यक्ष बनाने के बाद टाटा की हैरियर लग्जरी कार ली और उस कार में नंबर प्लेट की जगह अध्यक्ष पद का बोर्ड लगाया और उस गाड़ी से लगातार दौरा कर रहे हैं, अध्यक्ष पति अपनी पार्टी की कई रैलियों सहित हर जगह नंबर प्लेट की जगह नगर पालिका अध्यक्ष का गाड़ी में बोर्ड लगाकर घूमते नजर आते हैं पर किसी में दम नहीं खासकर प्रशासन में दम नहीं है की उनसे उनकी गाड़ी को रुकवा कर कहे कि गाड़ी में बिना नंबर प्लेट के क्यों चल रहे हैं पर वही आम आदमियों की गाड़ी पर तत्काल यातायात पुलिस की नजर पड़ जाती है और चलान भी कट जाता है, सवाल यह है कि आखिर नेताओं की गाड़ियों पर पुलिस या यातायात कर्मचारियों की नजर क्यों नहीं पड़ती?

एसईसीएल में नौकरी करने के बजाए नगर पालिका में नेतागिरी के साथ निर्माण कार्य में व्यस्त हैं

कोरिया जिले में दो नगर पालिका क्षेत्र आता बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा, बैकुंठपुर में जहां अध्यक्ष भाजपा का है तो वही शिवपुर चरचा में अध्यक्ष कांग्रेस का हैं नगर पालिका शिवपुर चरचा में भले ही सत्ताधारी दल कांग्रेस ने निर्वाचित अध्यक्ष बना दिया पर निर्वाचित अध्यक्ष से ज्यादा अध्यक्ष पति की नगर पालिका में चलती है सिर्फ कहने को श्रीमती लालमुनि यादव अध्यक्ष हैं वहीं पूरा देखरेख तो उनके पति करते हैं जो स्वयं एसईसीएल कर्मचारी है पर अपनी ड्यूटी ईमानदारी से नहीं करते फिलहाल अभी तो नगर पालिका अध्यक्ष का दायित्व निभा रहे हैं इस समय वह एसईसीएल में नौकरी करने के बजाए नगर पालिका में नेतागिरी के साथ निर्माण कार्य में व्यस्त हैं।

एसईसीएल के अधिकारी भी अध्यक्ष पति पर कार्रवाई करने से डरते हैं

शिवपुर चरचा नगरपालिका की अध्यक्ष महिला हैं और वह नाममात्र की अध्यक्ष हैं पूरा नगरपालिका उनके पति ही चलाते हैं यह कहना गलत नहीं होगा,उनके पति एसईसीएल कर्मचारी भी हैं लेकिन वह नौकरी कब करते हैं यह कोई नहीं जानता, वह हर समय नगरपालिका के कामों में ही व्यस्त दिखते हैं या सोशल मीडिया पर रील बनाते नजर आते हैं नौकरी कब करते हैं यह बड़ा सवाल है। अध्यक्ष पति होने के कारण एसईसीएल के अधिकारी भी उनसे डरते हैं और बिना काम किए ही वह वेतन उठाते हैं यह कहना गलत नहीं होगा।

कई काम एसईसीएल कराती है पर नगरपालिका में बिल निकल जाता है

एसईसीएल चरचा कई कार्य नगर में स्वयं कराता है और उसका व्यय स्वयं वहन करता है।सूत्रों की माने तो एसईसीएल चरचा कई कार्य जो अपने कर्मचारी कालोनियों में कराती है उसका भुगतान नगरपालिका में भी दिखाया जाता है और भुगतान के नाम पर राशि निकाल ली जाती है। यह एक बड़ा भ्रष्टाचार है यदि सूत्र सही बता रहें हैं और ऐसे में जनसेवा की बात बेमानी है और केवल दिखावा है। शिवपुर चरचा मुख्य रूप से कालरी क्षेत्र है और यहां अधिकांश रहवासी और रहवासियों के भवन कालरी प्रबंधन के ही हैं और सड़कें भी उसी के अनुरूप बनी हैं नालियां भी उन्हीं कालोनियों की सुविधा अनुरूप हैं और इन सभी के लिए कालरी प्रबंधन लगातार व्यय करता रहता है जिससे रहवासियों को असुविधा न हो और वहीं नगरपालिका उन्ही कार्यों का भुगतान दिखा राशि आहरित कर रहा है यह सूत्रों का कहना है।

नौकरी नहीं करने की सुविधा मिलनी है तो सभी को मिलनी चाहिए,केवल राजनीतिक लोगों को ही इसका लाभ मिलना सही नहीं

नगरपालिका अध्यक्ष पति कालरी में नाममात्र के कर्मचारी हैं और केवल तनख्वाह वह कालरी से प्राप्त करते हैं काम नहीं करते हैं यह सूत्रों का कहना है। अब मामले में यह सवाल उठता है की यही सुविधा सभी को दे दी जानी चाहिए और सभी को घर बैठे तनखाह दे दिया जाना चाहिए केवल अध्यक्ष पति के लिए ही यह विशेष सुविधा क्यों। अध्यक्ष यदि पार्टी या राजनीतिक दल के लिए महत्वपूर्ण हैं तो यह भी मानना होगा की सभी कर्मचारी मतदाता हैं और वह भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं इसलिए यह लाभ उन्हे भी मिलना चाहिए।

पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा का जनसंपर्क के दौरान रूपपुर में बैठक संपन्न

» जिला सदस्य विनोद जायसवाल ने मां व पिता तुल्य बुजुर्गों का चरण पखार कर किया सम्मान व साड़ी और धोती किया दान

» जिला सदस्य विनोद जयसवाल की क्षेत्र में हो रही है सराहना

- संवाददाता -
वाड्रफनगर,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर विधानसभा के पूर्व विधायक व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृह मंत्री का वाड्रफनगर मंडल के अंतर्गत रूपपुर के भंडार पारा में जनसंपर्क के दौरान बैठक किया गया। जहां पर रामसेवक पैकरा ने ग्राम वासियों की हालचाल जानने का प्रयास किया तथा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी योजना के बारे में विस्तार से आम जनता को बताया जैसा कि दीनदयाल उपाध्याय की योजना के तहत प्रत्येक घर को बिजली पहुंचाने का काम एवं प्रत्येक घर को नल जल योजना के तहत पानी देने का काम वह अनेक जन कल्याणकारी योजना के बारे में बताया गया। तथा लोगों द्वारा धर्मांतरण किया जा रहा है उस पर भी गहराई से विचार रखें। लोगों को बताया गया कि किसी के बहकावे में धर्म का परिवर्तन ना करें हिंदू धर्म के लोग हिंदू धर्म में ही रहे किसी विदेशी धर्म को ना अपनाएं और यदि कोई जबरजस्ती यदि विदेशी धर्म को अपनाने के लिए बोलते हैं तो उसके ऊपर उचित कार्रवाई करवाएं पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाएं। और जिला सदस्य विनोद जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योजनाओं पर विस्तार से चर्चा किया ताकि अधिक से अधिक लोगो को लाभ मिल सके। जैसे कि करमडीहा (ब) व रूपपुर में रिपा योजना के तहत चल रहे काम को भी उन्होंने विस्तार से बताया

जनसंपर्क दौरान कार्यक्रम में उपस्थित विश्वनाथ तिवारी, राजू सिंह ओईके, अनिल गुप्ता, श्याम जी पटेल, सुनील पटेल, जगदीश कुशवाहा, अतुल जयसवाल, मुकेश जयसवाल, आकाशदीप पटेल, आनंद चौरसिया, चंद्रमणि यादव, बैजनाथ सिंह, राम गुलाब कुशवाहा, अंजनी कुशवाहा, विक्रम कुशवाहा, रामकेश्वर कुशवाहा, श्रवण कुशवाहा, रामकेश कुशवाहा, राम सुंदर कुशवाहा, रामवृक्ष देवांगन, निर्मल पोया, अनिरुद्ध यादव, जसवंत सिंह जयसवाल, शिव प्रताप, शिवनारायण धर्मजीत सहीत अनेक जेस्ट श्रेष्ठ पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुजुर्ग लोगों का पांव पखार कर साड़ी व धोती का वितरण

जनसंपर्क के दौरान रूपपुर ग्राम के भंडार पारा के बैठक में आए हुए वृद्ध जनों का छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा की उपस्थिति में जिला सदस्य विनोद जयसवाल ने पिता तुल्य वृद्ध जनों का समान फूल के थाली लोटा से पांव पखारकर साड़ी व धोती से सम्मान किया।

जीवत प्रसाद बरगाह, रामसेवक बरगाह, रूद्र प्रसाद देवांगन, धर्मसाय बरगाह, राम केश्वर कुशवाहा, पीतंबर सिंह, भगवत प्रसाद बरगाह सहित दर्जनों बुजुर्गों का सम्मान में फूल की थाली लोटा से पांव पखारकर उपहार स्वरूप धोती दिया। और वृद्ध जनों में माता समान फुलबस पोया, पानकुंमार बरगाह, लौन्गबास देवी यादव, मनबसिया देवी सहित दर्जनों वृद्ध मां सम्मान इन सभी का पांव पखारकर उपहार स्वरूप साड़ी वितरण किया।

कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए

आज जनसंपर्क के दौरान रूपपुर ग्राम के भंडार पारा की बैठक में पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा के समक्ष अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए और कुछ लोग कांग्रेसियों के बहकावे में आकर कांग्रेस पार्टी का दामन थामे थे।उन लोगो ने भी भाजपा के रीति नीति को देखते हुए शामिल हुए। इन सभी को पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

भीषण गर्मी को देखते हुए नापा अध्यक्ष ने किया प्याऊ की व्यवस्था

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर, 19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

धीरे-धीरे पारा उपर चढ़ाने लगा है और भीषण गर्मी का एहसास लोगों को होने लगा है गर्मी जिस प्रकार से पड़ रही है लोग अब घरों में ही रहना पसंद कर रहे है दोपहर के समय सड़कों पर भी सन्नाटा पसर रहा है ऐसे में पानी अत्यंत जरुरी हो जाता है जिसे देखते हुए शिवपुर चरचा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लाल मुनी यादव के द्वारा अपने नगर पालिका क्षेत्र में कई जगह पर प्याऊ की व्यवस्था कर दी गई है ताकि इस गर्मी में किसी को भी पीने की पानी की दिक्कत ना, भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल व्यवस्था को विभिन्न वार्डों, मुख्य मार्गों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, कलेक्ट्रेट ऑफिस के सामने, पानी की व्यवस्था नगर पालिका शिवपुर चरचा के द्वारा पर लगाया जा रहा है जिससे राहगीरों को आसानी से पानी उपलब्ध हो जाए। खुद जाकर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती लालमुनी यादव ने प्याऊ व्यवस्था का जायजा लिया।

सार्वजनिक स्थल पर कब्जा कर मकान बनाने की शिकायत पर कार्यवाही नहीं होने से किया गया चक्का जाम

- संवाददाता -
कोरबा 19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

वार्ड नंबर 57 भैरव ताल में एसईसीएल अधिकृत भूमि स्थित है जिसमें ट्रांसपोर्टर विमलेश शर्मा एवं वार्ड 56 के पार्षद पद्मा साहू द्वारा अवैध निर्माण कराया गया है जिसका भैरव ताल वार्ड वासी 4 नंबर द्वारा विरोध करने पर एसईसीएल के क्षेत्र प्रबंधक श्री मावा वाला द्वारा दिनांक 11:03 2023 को 72 घंटे में बेजा कब्जा मुक्त करने का अल्टीमेटम दिया गया था किंतु 15 मार्च 2023 तक बेजा कब्जा को नहीं हटाया गया तत्पश्चात पुनः विरोध करने पर सर्वमंगला जोन के राजस्व निरीक्षक संजय ठाकुर और पार्षद पद्मा साहू ने मिलीभगत कर 05 वर्ष का संपत्ति कर बना दिया गया और अवैध निर्माण को वैध बताने की साजिश तक कर डाली।

ग्रामीणों द्वारा इस घटना के बाद 16 मार्च को एसईसीएल सूराकछार क्षेत्र प्रबंधक कार्यालय का घेराव किया गया जिसके बाद प्रबंधक हरकत में आते हुए क्षेत्र प्रबंधक, बाकी थाना प्रभारी के मौजूदगी में पार्षद एवं ट्रांसपोर्टर को बुलाकर ग्रामीणों के साथ वार्ता कराया गया और 04 दिन के भीतर उस स्थान को खाली करने और बेजा कब्जा को हटाने की बात कही गई किंतु एक मढ्ढह उपरांत भी एसईसीएल सूराकछार प्रबंधन जगह को खाली नहीं करा पाने पर विगत 11 अप्रैल को ग्रामीणों ने कोरबा कलेक्टर, महापौर, निगम आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, मुख्य महाप्रबंधक कोरबा को ज्ञापन सौंपते हुए इस पूरे अवैध कार्यों में लिप्त पार्षद और राजस्व निरीक्षक पर दंडात्मक कार्यवाही कर कब्जा किए गए स्थान को मुक्त कराने की मांग किया गया था पर इस पर भी कोई कार्यवाही नहीं होने पर दिनांक 19 अप्रैल 2023 को गांव वालों द्वारा चक्का जाम किया गया जिस पर सूराकछार प्रबंधन ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए उक्त स्थान पर रखें ट्रकों को हटाने की कार्यवाही की साथ ही उक्त मकान को जल्द तोड़ने की बात कही गई जिस पर क्षेत्रवासियों ने चक्का जाम को तो समाप्त कर दिया पर कहा कि जब तक इस स्थान को खाली नहीं किया जाता तब तक वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे द्धअब देखना होगा कि क्या एसईसीएल सूराकछार प्रबंधन स्थान को ग्राम वासियों को वापस दिला पाती है या फिर आश्वासन का सहारा लेती है ?

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

Email:cgbalram-phe-cg@nic.in

निविदा क्रं./03/ले.शा/.ज़जौ.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2023 बलरामपुर
दिनांक- 12/04/2023

ऑन लाईन तृतीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यो के लिए प्रतिशत दर फार्म ''अ'' में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)
130608	116.82	130612	105.50
130609	151.68	130613	164.88
130610	122.33	130614	109.31
130611	173.43	130615	176.65

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण तथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई- प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.04.2023 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 04.05.2023 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकतें हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड - बलरामपुर (छ0ग0)

जी.नं.-00300/3

बच्चों की हरकतों पर ऐतराज जताने को लेकर हुआ विवाद

» पड़ोसी महिलाओं में जमकर लड़ाई हुआ एफ आई आर

- संवाददाता -
कोरबा 19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

बच्चों की हरकतों पर ऐतराज जताने को लेकर शुरू हुए विवाद में पड़ोसी महिलाओं में जमकर हो गई लड़ाई चल गए स्टम्प,बेट और ईट तक। मामला कोरबा जिले के कोतवाली अधीन मानिकपुर पुलिस सहायता केंद्र का है चिमनीभट्ठा मोहल्ला में रहने वाली प्रतिमा विश्वकर्मा का लडका विकास, मधु के घर किराये में रहने वाले सीमा लहरे का लडका लक्की और उसकी लडकी नंदनी आपस में झगडा-विवाद कर रहे थे। इस पर डांट लगाई गई तो प्रतिमा ने सीमा लहरे को अपने बच्चे को डांटने से मना किया। इस बात पर सीमा लहरे, नंदनी सोनी और मधु मलिक तीनो एक राय होकर प्रतिमा को गालियां व जान से मारने की धमकी देकर डंडे से मारपीट किये। प्रतिमा को सिर, हाथ और पीठ में चोट लगा है। रिपोर्ट पर श्रीमती सीमा लहरे, नंदनी सोनी, मधु मलिक के विरुध्द धारा 294,, 323, 34,, 506 के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। दूसरे पक्ष से सीमा लहरे ने रिपोर्ट लिखाई है कि वह चिमनी भट्ठा में अपनी डेढ सास मधु मलिक के घर रहती है। 17 अप्रैल को दोपहर 2 बजे उसका बेटा लक्की और नंदनी सोनी का बेटा अविनाश घर के सामने कुल्फी लेने गये थे। उसी समय प्रतिमा का बेटा विकास दोनों बच्चो को पत्थर मारकर घर भाग गया। इस बात की शिकायत करने सीमा जब प्रतिमा के घर गयी तो वह गाली देने लगी। गाली देने से मना कर सीमा वापस आकर अपने घर के पास खड़ी थी कि उसी समय प्रतिमा अपनी बेटियों चुलबुली, फुग्गा, अन्नु के साथ घर के पास आ गई। प्रतिमा ने अपने हाथ में रखे स्टंप से सीमा के सिर में मारा जिससे वह वहीं बैठ गयी। मधु मलिक, नंदनी बीच-बचाव किये तो उन्हे चुलबुली ने बेट से, फुग्गा ने ईंट से और अन्नु ने स्टंप से मारपीट किया। मारपीट से सीमा सहित मधु मलिक,नंदनी सोनी, गौरी बाई यादव को चोटें आई हैं। सीमा लहरे की रिपोर्ट पर प्रतिमा विश्वकर्मा, चुलबुली, फुग्गा व अन्नु पर धारा 294, 323, 34, 506 भादवि का जुर्म दर्ज किया गया है।

खनिज विभाग प्रकरण दर्ज कर 50 लाख वसूला जुर्माना

- संवाददाता -
कोरबा,19 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले में खनिज चोरों के हौसले बुलंद है खासकर इन दिनों रेत चोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग द्वारा खनिज चोरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई का दावा किया जा रहा है। विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में वर्ष 2022- 23 में ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए भारी भरकम जुर्माना वसूलने की बात कही गई। खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर गठित संयुक्त जाँच दल एवं टास्क फोर्स के माध्यम से जिले अंतर्गत मुख्य खनिजों के साथ-साथ गौण खनिज रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में कार्यवाही की जा रही है। विभाग का दावा है कि विगत वर्ष 2022 2023 में कुल 259 प्रकरण दर्ज कर आरोपित अर्थदंड की राशि 49,99,385 रुपये शासन के राजस्व शीर्ष में जमा कराया गया है। साथ ही माह मार्च 2023 में खनिज रेत परिवहन में विभाग द्वारा कोरबा जिला अंतर्गत नगरीय निकाय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों भ्रमण कर ग्राम उरगा, रिसदी चौक, सीतामढ़ी, बरहमपुर, राताखार, बुधवारी चौक, केवरा, रजगामार, इंडस्ट्रियल एरिया, रलिया, कुदुरमाल, लखनपुर, भटोरा, कटबितला, बरीडीह आदि क्षेत्रों से कुल 22 प्रकरण दर्ज कर अर्थदण्ड राशि 2,39,137 रुपये खनि राजस्व मद में अर्थदण्ड जमा करवाया गया है।

न्यायालय, अनुविभागीय (रा) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश कुमार आ0 रामदेवराम जाति खैरवा निवासी ग्राम/नगर विशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम विशुनपुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 1/105 रकबा0.101 हे0 में से 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1 खसरा नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/04/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा.छ0ग0

रा.प्र.क्र.202304021200038/अ-20(3)/2022-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अमित देशमुख आ0 स्व0 सतीश कुमार देशमुख एवं 02 अन्य निवासी पशु चिकित्सालय के पीछे बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला, बौरीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 04 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2038/9 रकबा 0.15 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं बिक्रय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/04/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा.छ0ग0

रा.प्र.क्र.847/अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदिका दयवन्ती सोनी पति कृष्ण मुरारी सोनकर, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम नमनाकला, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि खसरा नम्बर 609 रकबा 4.90 एकड़ मे से रकबा 127.6 वर्गमीटर भूमि पर मकान निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचारधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/04/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा.छ0ग0

रा.प्र.क्र.585/अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक विकास सोनकर आ0 स्व0 कृष्ण मुरारी सोनकर, निवासी, नमनाकला, अम्बिकापुर तहसील, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के द्वारा नगरअम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम नमनाकला, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि खसरा नम्बर 611/1 रकबा 6.20 एकड़ में से रकबा 374.40 वर्गमीटर भूमि पर मकान व बाड़ी निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचारधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/04/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर जिला सरगुजा.छ0ग0

रा.प्र.क्र.1275/अ-20(1)/2020-21

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ0ग0 राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदिका विद्या सोनी पति अजय सोनी, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम नमनाकला, अम्बिकापुर स्थित शाकीय नजूल भूमि खसरा नम्बर 474 रकबा 1.05 एकड़ में से रकबा 117.34 वर्गमीटर भूमि पर पक्का मकान व आंगन निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन/आबंटन बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचारधीन है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/04/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202304020700113

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
केशवपुर प.ह.न. 00024 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-कमलेश बरगाह,
अनावेदक पक्षकार- कोई नही

ईश्तहार

आवेदक कमलेश बरगाह पुत्री रामप्रसाद, निवासी ग्राम केशवपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम केशवपुर स्थित खसरा नंबर 458 के सेटलमेंट में रकबा एवं वर्तमान रकबा में 26 डिसमिल का अंतर है उक्त अंतर रकबा को खसरा नंबर 458/5 में समाहित करते हुये त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17.05.2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/04/2023 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम सेलेक्शन में हो गई ये बड़ी गलती

अब जीत भगवान-भरोसे!

नई दिल्ली, 19अप्रैल 2023। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेला जाना है. इस मुकाबले के लिए टीम सेलेक्शन हो गया है जिसका ऐलान बोर्ड ने बुधवार 19 अप्रैल को कर दिया भारत के खिलाफ होने वाले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. दोनों के बीच आगामी 7 जून को लंदन के केनिंगटन ओवल मैदान पर ये मुकाबला खेला जाएगा. जो भी टीम इस मुकाबले में विजयी होगी, पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की चमचमाती ट्रॉफी उठाएगी.

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम का ऐलान

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को अपनी टीम का ऐलान कर दिया. स्टार पेसर पैट कमिंस को ऑस्ट्रेलिया टीम की कमान सौंपी गई है. खराब फॉर्म से जूझ रहे ओपनर डेविड वॉर्नर को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मौका दिया है. उप-कप्तानी स्टीव स्मिथ को मिली है. उनके अलावा ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मार्कस हैरिस, उस्मान ख्वाजा और मैट रेनशॉ जैसे स्टार खिलाड़ियों को टीम में मौका दिया गया है.

टीम सेलेक्शन में हुई ये बड़ी गलती!

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम सेलेक्शन में एक गलती कर दी. एक ऐसे खिलाड़ी को टीम से बाहर रखा गया है, जो गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखा सकता है. वह खिलाड़ी कोई और नहीं, बल्कि ऑलराउंडर एश्टन एगर हैं. उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ चेन्नई में खेले गए वनडे मैच में मौका दिया था, तब उन्होंने बल्ले से 17 रन बनाए और फिर गेंदबाजी करते हुए 41 रन देकर 2 विकेट हासिल किए. पर्थ में उससे पिछले मैच में एगर ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए (लिस्ट-ए) सदर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लिए और 26 रन बनाए थे. अगर वह टीम में रहते तो जाहिर तौर पर ऑस्ट्रेलिया को फायदा मिल सकता था.

भारत दौरे का भी थे हिस्सा

जिस ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गत फरवरी-मार्च में भारत का दौरा किया था, एश्टन एगर उसका हिस्सा थे. उनके अलावा पीटर हैंड्सकॉम्ब और मिचेल स्वेप्सन को भी डब्ल्यूटीसी फाइनल का हिस्सा नहीं बनाया गया है. एश्टन एगर ने अभी तक 5 टेस्ट, 21 वनडे और 47 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं. उन्होंने टेस्ट में 9, वनडे में 20 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 48 विकेट लिए हैं. वह टेस्ट फॉर्मेट में एक अर्धशतक भी लगा चुके हैं. वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), डेविड वॉर्नर, मार्नस लाबुशेन, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, टॉड मर्फी, नाथन लियोन, मिचेल मार्श और मैट रेनशॉ.

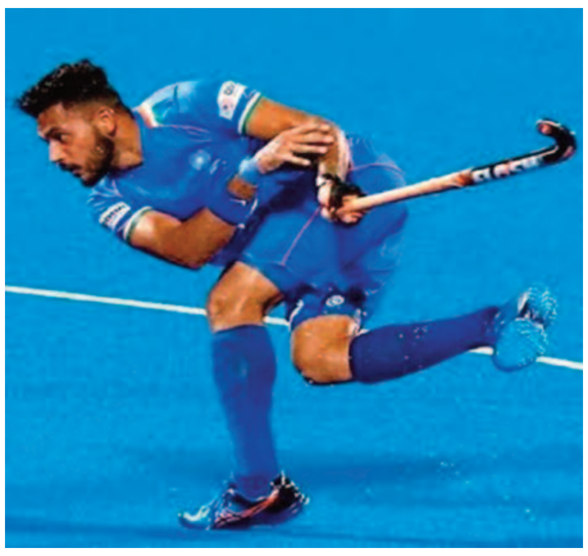

एशियाई खेलों से पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कड़ी परीक्षा होगी

चेन्नई, 19अप्रैल 2023। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी तीन से 12 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जो हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आदर्श टूर्नामेंट होगा। भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

हरमनप्रीत ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,'' हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे। मुझे याद है कि हमारे सीनियर खिलाड़ी 2007 में चेन्नई में खेले गए एशिया कप के बारे में बात किया करते थे जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा था।'' उन्होंने कहा,'' यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे। एशियाई खेलों से पहले यह टीम के लिए कड़ी परीक्षा होगी।''

हरमनप्रीत ने कहा,'' इससे हमें अपने विरोधियों को भी परखने का मौका मिलेगा जिससे हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।''

भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद 2018 में फाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा जिसके कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता

अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन मामल्लापुरम में 14 अगस्त से

चेन्नई, 19अप्रैल 2023। विश्व सर्फिंग लीग (डब्ल्यूएसएल) का हिस्सा अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन का आयोजन भारत में पहली बार मामल्लापुरम में 14 से 20 अगस्त तक किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा करते हुए यहां तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि यह खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार का एक और कदम है और इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भारतीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। उदयनिधि ने संवाददाताओं से कहा, ''सर्फिंग ओलंपिक खेल है इसलिए यह प्राथमिकता बन गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हमारे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और हमारे देश को गौरवांवित करने का शानदार मंच देगा।''

भारतीय सर्फिंग महासंघ और तमिलनाडु सर्फिंग महासंघ के अध्यक्ष अरूण वासु ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन डब्ल्यूएसएल क्यूएस 3000 प्रतियोगिता है जिसमें 12 से 14 देशों के 80 से 100 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस मौके पर उदयनिधि ने तमिलनाडु सरकार की ओर से स्वीकृत दो करोड़ 67 लाख रुपये का चेक वासु को सौंपा। इस क्यूएस 3000 प्रतियोगिता की कुल इनामी राशि 45 हजार डॉलर होगी और इसमें तीन हजार टूर अंक दांव पर लगे होंगे। इसमें एशिया और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

हारिस रऊफ आईसीसी टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में

शीर्षक्रम के पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए

लाहौर, 19अप्रैल 2023। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की व्हाइट बॉल टी20 सीरीज में कुछ सनसनीखेज फॉर्म का प्रदर्शन किया है। तीन टी20ई में दस विकेट के साथ, उन्होंने आईसीसी टी20ई गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष क्रम के पाकिस्तानी गेंदबाज बनने के लिए अपने साथी खिलाड़ी शादाब खान और शाहीन अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। राउफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टी20ई श्रृंखला में लगातार चार विकेट लेने का कारनामा किया और पहले मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। पाकिस्तान का तेज पिछले हफ्ते शाहीन अफरीदी से आगे था और शादाब खान से पीछे था, जो टी20ई गेंदबाजी रैंकिंग में 12वें स्थान पर थे। पहले तीन टी20 मैचों में 10 विकेट लेने के बाद रऊफ रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने इस प्रक्रिया में 657 अंकों की कैरियर-उच्च रेटिंग भी हासिल की और संभावित रूप से पांच मैचों की श्रृंखला के अंत तक शीर्ष 10 में प्रवेश कर सकते हैं। इस बीच, ईश सोढ़ी (620) और शाहीन (624) भी क्रमशः चार स्थान और दो स्थान ऊपर चले गए हैं, जबकि उनके आसपास के अन्य लोगों ने अंक गिराए हैं।

इसके साथ ही, रैंकिंग में दूसरा बड़ा बदलाव श्रीलंका से आया जब प्रभात जयसूर्या ने रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी जादुई शुरुआत जारी रखी। बाएं हाथ के स्पिनर ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दस विकेट लेने का कारनामा किया, छह मैचों के छोटे से टेस्ट करियर में यह उनका दूसरा ऐसा आंकड़ा था। जयसूर्या के नाम छह टेस्ट मैचों में 43 विकेट पहले से ही पांच पांच विकेट लेने का कारनामा है। आयरलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में करियर के सर्वश्रेष्ठ सात विकेट लेने के कारण वह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 20 में प्रवेश कर गया। करियर की सर्वश्रेष्ठ 669 रेटिंग हासिल करते हुए, जयसूर्या टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष क्रम के श्रीलंकाई गेंदबाज भी बन गए। रमेश मेंडिस (576), जो आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट की दूसरी पारी में चार विकेट लेने के बाद तीन स्थान ऊपर चले गए, को 32 वें नंबर पर रखा गया है। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने भी कप्तान दिमुथ करुणारत्ने के साथ टेस्ट के दौरान बढ़त हासिल की, जिन्होंने 235 गेंदों पर 179 रन बनाए, करियर की उच्च रेटिंग 783 हासिल की और एक पायदान ऊपर चढ़कर नंबर 9 पर पहुंच गए।

दिनेश चंडीमल, जिनकी गाले में नाबाद शतक के साथ टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म जारी रही, वह भी चार स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 15 में प्रवेश कर गए। वह अब 693 रेटिंग अंकों के साथ 14वें स्थान पर हैं। चंडीमल का टेस्ट क्रिकेट में अच्छा समय रहा है, 2022 की शुरुआत से प्रारूप में 90 से अधिक का औसत।

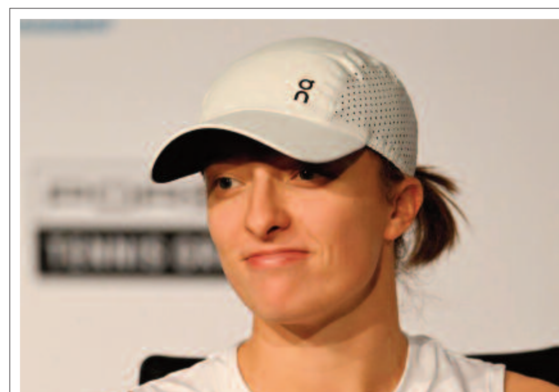

मैं अब चोटिल नहीं और स्टटगार्ट ओपन में खिताब बचाने को तैयार : स्वीयाटेक

स्टटगार्ट, 19अप्रैल 2023। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक ने आश्वस्त किया है कि वह अब चोटिल नहीं हैं और स्टटगार्ट ओपन में अपना खिताब बचाने के लिए तैयार हैं। मार्च में पसलियों की चोट के कारण स्वीयाटेक को मियामी ओपन और बिली जीन किंग कप के क्वालीफायर्स से हटना पड़ा था। उन्हें यह चोट इंडियन वेल्स सेमीफाइनल की तैयारी के दौरान लगी थी।

स्वीयाटेक ने स्टटगार्ट में पत्रकारों से कहा, ÷मैं अब चोटिल नहीं हूं और यही बात मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि वारसॉ में मैंने अपना समय थोड़ा आराम करने में बिताया और टेनिस के बारे में कुछ नहीं सोचा।÷ उन्होंने कहा, मैं शारीरिक रूप से मेहनत कर रही हूं और अपने अभ्यास को धीरे-धीरे आगे बढ़ा रही हूं। अब मुझे लगता है कि मैं पूरी तरह फिट हूं।÷

पिछले वर्ष अपने 37 मैच लगातार जीतने के विजय क्रम के दौरान पोलैंड की खिलाड़ी ने स्टटगार्ट में अपना पदार्पण किया था और फाइनल में आर्यना सबालेंका को 6-2, 6-2 से हराकर अपना चौथा खिताब जीता था।

पीठ की चोट से वापसी करने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट होगा। स्वीयाटेक को पहले राउंड में बाई मिली है और उनका पहला मुकाबला गुरूवार को चीन की झेंग किनवेन से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछले मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने स्वीयाटेक से एक सेट छीना था

चियान विक्रम का थंगलान अवतार रिलीज

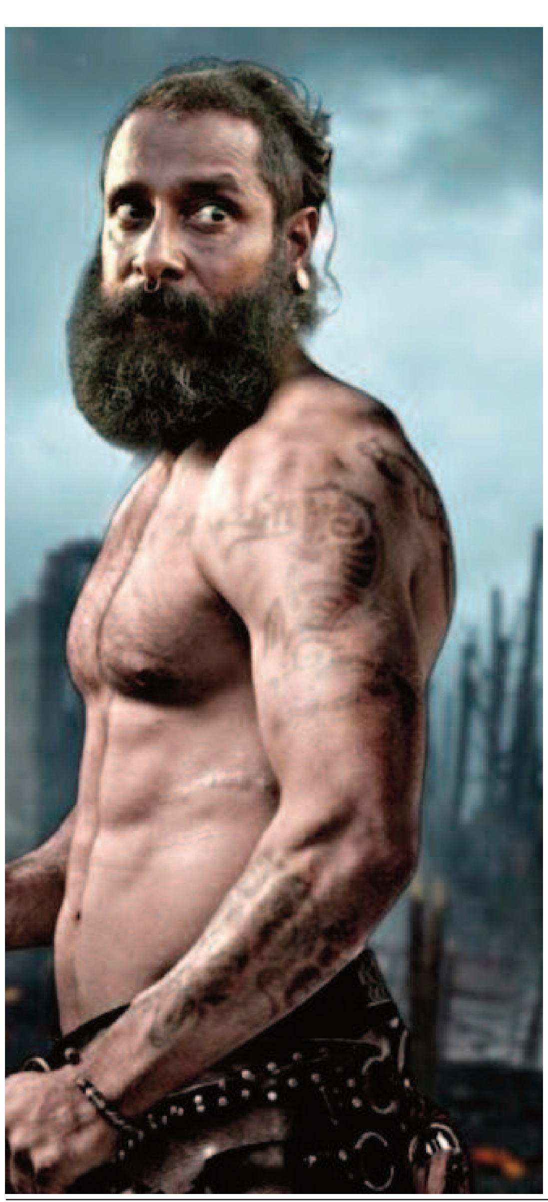

साउथ सुपरस्टार चियान विक्रम 58 साल के हो गए हैं. इस मौके पर विक्रम की अपकमिंग फिल्म थंगलान से उनका फर्स्ट लुक शेयर किया है. फिल्म में एक्टर बड़े ही पावरफुल और जबरदस्त अंदाज में नजर आ रहे हैं. चियान के थंगलान अवतार को देख फैंस के भी होश उड़ गए हैं. ट्विटर पर थंगलान लुक का मेकिंग वीडियो वायरल हो रहा है. साउथ स्टार के जन्मदिन के मौके पर फिल्म की टीम ने ऐसे ट्रिब्यूट दिया है. फिल्मेकर पा रंजित के डायरेक्शन में बन रही थंगलान दलित समुदाय के जीवन पर आधारित फिल्म है. इसमें चियान काफी इम्प्रेसिव लुक में नजर आ रहे हैं. एक्टर कोलार में स्थित सोने की खान में काम करने वाले मजदूरों के लीडर का रोल प्ले करेंगे. आदिवासी समुदाय से जुड़े इस रोल के लिए चियान ने काफी मेहनत की है. इसकी एक झलक एक्टर के लुक को लेकर जारी किए गए बीटीएस वीडियो में देखने को मिलती है.

विक्रम के बर्थडे पर जारी इस मेकिंग वीडियो में एक्टर अपने मसल्स फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं. एक्टर का लुक काफी यूनिक और खतरनाक हैं. एक्टर इस लुक में दाढ़ी बढ़ाए हुए हैं और चेहरे पर रंग पोता हुआ है. वहीं इस रोल के लिए विक्रम ने नोज पियरसिंग भी करवाई है जो फैंस के बीच काफी चर्चा में हैं. आदिवासी लुक में चियान पावरफुल लीड जैसे दिख रहे हैं. वीडियो में एक्टर का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी कमाल का है.

चियान के थंगलान अवतार को देख फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है. सोशल मीडिया पर फैंस एक्टर की मेहनत और इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं. कुछ यूजर्स ने लिखा, हमें कुछ ऐसी ही उम्मीदे थीं. एक यूजर ने लिखा, हमारी एक्साइटमेंट और बढ़ गई हैं..चियान सर इज ग्रेट... चियान जल्द ही मणि रत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन पार्ट 2 में नजर आएंगे.

ब्रेकअप के बाद और ज्यादा खूबसूरत दिखने लगीं मायशा अय्यर

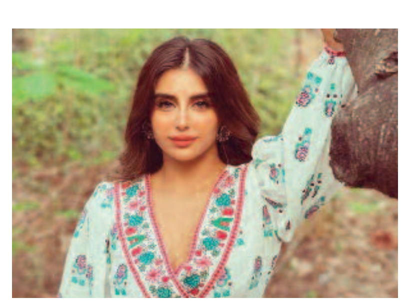

बिग बॉस सीजन 15 में ईशान सहगल के साथ अपने लव अफेयर को लेकर सुर्खियां बटौरने वाली एक्ट्रेस मायशा अय्यर का काफी समय पहले ही ब्रेकअप हो गया था। इन दिनों मायशा अय्यर अपने काम में काफी बिजी हैं। जहां लोगों का ब्रेकअप के बाद ब्रेकडाउन हो जाता है। वहीं मायशा अपनी लाइफ में बेहद ही खुश नजर आ रही हैं। हालांकि उनकी लेटेस्ट पोस्ट को देखकर आपको भी यही लगेगा। हाल ही में उनकी तस्वीरों में आप देख सकते हैं मायशा ने रेड कलर की ड्रेस में बेहद हॉट फोटोशूट करवाया है जिसमें वो बेहद खूबसूरत दिखाई दे रहीं हैं। बिग बॉस सीजन 15 की एक्स कंटेस्टेंट मायशा अय्यर ईशान सहगल से ब्रेकअप के बाद और भी ज्यादा ग्लैमरस दिखने लगीं हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। मायशा ने अपनी ये फोटोज रेगिस्तान में क्लिक करवाई हैं। मायशा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो हमेशा इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। हालांकि एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में भी उनका सिजलिंग और सेक्सी अवतार थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक्ट्रेस मायशा अय्यर ने इस ग्लैमरस फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बेहद ही स्टाइलिश लहंगा पहना हुआ है। अपने इस लुक में अभिनेत्री बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस अपनी इन फोटोज में रेगिस्तान की तपती गर्मी में अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं। मायशा अय्यर अपनी इन तस्वीरों में रेगिस्तान की रेत पर बैठकर बेहद ही सिजलिंग अदाओं में पोज दे रही हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए रेड दुपट्टे, खुले कर्ली बाल और ग्लॉसी मेकअप किया है। फैंस उनकी इन तस्वीरों को देखकर आहें भरने लगे हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो जमकर लाइक्स के जरिए अपना प्यार बरसाते हैं।

पारस कलनावत का कुंडली भाग्य में सना सैय्यद के साथ स्पेशल बॉन्ड

टीवी एक्टर पारस कलनावत ने कुंडली भाग्य की अपनी को-एक्टर सना सैय्यद के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उनका ऑफ-स्क्रीन बॉन्ड स्पेशल है। पारस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर सन-किस्ड फोटो पोस्ट की, जहां वह सना के बगल में खड़े हैं।

उन्होंने फोटो को कैप्शन दिया- इससे बेहतर को-एक्टर कोई नहीं हो सकता था।सना के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात करते हुए, पारस ने कहा- दर्शकों को स्क्रीन पर जो देखने को मिलता है, उसकी तुलना में मेरे और सना के बीच का रिश्ता ऑफ-स्क्रीन काफी अलग है। सना न केवल एक विचारशील अभिनेता हैं, बल्कि एक दयालु व्यक्ति हैं। हम एक बहुत ही खास बॉन्ड शेयर करते हैं, वास्तव में, हाल ही में एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान मुझे सेट पर चोट लग गई और उन्होंने एक अच्छे दोस्त की तरह मेरा ख्याल रखा।पारस ऐ जिंदगी, मेरी दुर्गा, लाल इश्क, अनुपमा के लिए जाने जाते हैं और बाद में उन्होंने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 में भी भाग लिया। उन्होंने आगे बताया कि वे दोनों शो के सेट पर कितनी बार बातचीत करते हैं ताकि उनका ऑन-स्क्रीन बॉन्ड काफी बेहतर दिख सके।

जूनियर एनटीआर की एनटीआर 30 से जुड़े सैफ अली खान

जूनियर एनटीआर की एनटीआर 30 पिछले कुछ वक्त से लगातार चर्चा में है। आए दिन फिल्म से जुड़ी तरह-तरह की जानकारियां सामने आ रही हैं। अब मंगलवार को निर्माताओं ने ऐलान किया कि अभिनेता सैफ अली खान एनटीआर 30 से जुड़ गए हैं और उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आर्दश ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें सैफ, एनटीआर और कोराताला शिवा साथ नजर आ रहे हैं।

एनटीआर की एनटीआर 30 के जरिए जाह्नवी कपूर अपना तेलुगू डेब्यू करने वाली हैं और उन्होंने भी फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में शुरू कर दी है। शिवा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 5 अप्रैल, 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अभी तक एनटीआर की इस 30वीं फिल्म के नाम का खुलासा नहीं हुआ है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगु समेत तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी।

बता दें कि हाल ही में खबर आया था कि सैफ अली खान ने ठुकराया जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 30 का प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। मूवी में रोल कमजोर होने की वजह से एक्टर ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। हालांकि, जिसको लेकर किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया था। निर्माताओं ने अभिनेता सैफ अली खान को एनटीआर 30 में खलनायक की भूमिका के लिए साइन कर लिया है। बता दें कि एनटीआर 30 में तीन विलेन दिखाई देने वाले है। विजय सेतुपति और चियान विक्रम इस मूवी में नकारात्मक भूमिका निभाते हुए दिखाई देने वाले है।

मुख्यमंत्री ने किया शहर के दूसरे मिलेट कैफे का शुभारंभ

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के साथ शहरवासियों को मिलेगा स्वादिष्ट मिलेट व्यंजनों का स्वाद

रायपुर, 19 अप्रैल 2023 (ए)। नालंदा परिसर में आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शहर के पहले मिलेट कैफ़ेका शुभारंभ किया। अब नालंदा परिसर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आने वाले विद्यार्थी सहित रायपुर शहरवासियों को भी रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार, संवा जैसे मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद मिल सकेगा। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आज शहरवासियों से भेंट मुलाक़ात करने के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस कैफ़ेकी शुरुआत की।

राजधानी रायपुर के दूसरे मिलेट कैफ़े का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि अब नालंदा परिसर में पढ़ने आने वाले छात्र-छात्राओं को पोषक मिलेट्स के आहार मिलेंगे। पोषण के लिहाज़ से भी यह कैफ़े विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इससे उनको अब जंक फ़ूड नहीं खाने पड़ेंगे और पढ़ाई के साथ स्वस्थ रहने की चुनौतियों से विद्यार्थी आसानी से निपट सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस मिलेट कैफ़ेको शुरू करने के लिए कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भूरे और नगर निगम के अधिकारियों की भी प्रशंसा की और सभापति श्री प्रमोद दुबे को भी मिलेट के पकवान खिलाए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रागी से बना केक काटा और कुटकी से बना चीला, रागी ब्रेड का सैंडविच, रागी का वेजिटेबल कटलेट, कोदो की खीर , रागी का कप केक , रागी का हलवा और रागी की पाव भाजी का स्वाद भी लिया। मौक़े पर पश्चिम प्रभारी मंत्री श्री रविंद्र चौबे, क्षेत्र के विधायक और संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, महापौर एजाज़ ढेबर, योग आयोग के अध्यक्ष श्री ज्ञानेश शर्मा, नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे, एसएसपी श्री प्रशांत अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सदियों पुराने सेहतमंद खानपान की शैली को फिर से मिल रहा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई पीढ़ियों से रागी, कोदो जैसे अनाज हमारे आहार का प्रमुख हिस्सा हुआ करता था। किंतु आज इनका उपयोग सीमित हो गया है। ये अनाज सेहत के लिए जरूरी बहुत से पोषक तत्वों से युक्त होते हैं। इस कैफे से लोगों को इन अनाजों से तैयार व्यंजन के रूप में सेहतमंद विकल्प मिलेंगे। और इन सेहतमंद व्यंजनों की लोकप्रियता-उपयोग बढ़ेगा।

रायगढ़, जगदलपुर सहित कई शहरों में खुले मिलेट कैफे, प्रदेश में महिला उद्यमिता को मिल रहा है बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने देश में सबसे पहले मिलेट मिशन शुरू किया और अब उसे केंद्र की सरकार ने भी अपनाया है। रायगढ़, जगदलपुर सहित कई शहरों में अब मिलेट व्यंजनों के कैफ़े और होटल खुल रहे है। रायपुर में इस कैफे की शुरुआत जिला प्रशासन की पहल एवं नगर निगम के सहयोग से हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बड़े शहरों में खुले अधिकांश मिलेट कैफे महिला उद्यमी या महिला समूहों द्वारा चलाये जा रहे है । इससे महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार महिला स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला समूहों के लिए मिलेट्स आधारित कैफे मील का पत्थर साबित हो रहे है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सहित केंद्र सरकार ने भी कई मौक़ो पर छतीसगढ़ के इस नवाचार की तारीफ़की है।

मुख्यमंत्री की अपील : मिलेट कैफ़े जाए,रागी-कोदो-कुटकी के व्यंजनों का लुत्फ़ उठायें

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने शहरवासियों से अपील की कि लोग मिलेट कैफ़े में जाकर रागी, कोदो, कुटकी जैसे मिलेट्स से बने स्वादिष्ट और सेहतमंद व्यंजनों का लुत्फ़ उठायें।

उल्लेखनीय है कि मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रागी, कोदो, कुटकी जैसे मोटे अनाजों और लघु धान्य फसलों की पैदावार बढ़ाने, इनकी खरीदी की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करने और इनकी प्रोसेसिंग कर इन्हें शहर के बाजारों तक पहुंचाने के लिए मिशन-मिलेट शुरू किया है। राज्य सरकार ने कोदो, कुटकी और रागी का समर्थन मूल्य तय करने के साथ-साथ राजीव गांधी किसान न्याय योजना के दायरे में इन्हें भी शामिल किया है। प्रदेश के 14 जिलों को इस मिशन में शामिल किया गया है। इसके लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हैदराबाद से एमओयू किया गया है। एमओयू के अंतर्गत इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च हैदराबाद छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी एवं रागी की उत्पादकता बढ़ाने, तकनीकी जानकारी, उच्च क्वालिटी के बीज की उपलब्धता और सीड बैंक की स्थापना के लिए सहयोग और मार्गदर्शन दे रहा है।

अब गैर-अनुसूचित क्षेत्रों के लिए मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि योजना

प्रत्येक ग्राम पंचायत को दो किश्तों में मिलेगी 10-10 हजार रूपए की राशि

- » मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज करेंगे शुभारंभ
- » ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा का होगा संरक्षण
- » 61 विकासखंड सामुदायिक क्षेत्रों के 6111 ग्राम पंचायतों में लागू होगी योजना
- » योजना के क्रियान्वयन के लिए होगी ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति
- » त्यौहारों में राशि का उपयोग का निर्धारण करेगी ग्राम स्तरीय शासी निकाय समिति

रायपुर, 19 अप्रैल 2023 (ए)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के सामुदायिक विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों के तीज त्यौहार, संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि' योजना प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज 20 अप्रैल को इस योजना का शुभारंभ करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रीमती प्रियंका गांधी के विशिष्ट आतिथ्य में बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बीते 13 अप्रैल को आयोजित भरोसा सम्मेलन में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री द्वारा आज 20 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रारंभ की जा रही एक और योजना

का उद्देश्य प्रदेश के गैर-अनुसूचित ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करना और इन त्यौहारों, उत्सवों का मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखन करना है। सामुदायिक क्षेत्रों के गांवों में स्थानीय उत्सवों, त्यौहारों, मेला-मड़ई का विशेष महत्व रहता है। ऐसे सभी उत्सवों, त्यौहारों, सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध करायी जाएगी। योजना की ईकाई ग्राम पंचायत होगी।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को दो किश्तों में 10 हजार रूपए दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 61 विकासखंड सामुदायिक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह राशि केवल सामुदायिक विकासखण्ड क्षेत्र के 6 हजार 111 ग्राम पंचायतों को दी जाएगी।योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति का गठन किया जाएगा। इसमें सरपंच (अध्यक्ष), पुजारी, बैगा सदस्य, ग्राम के 02 बुजुर्ग सदस्य, ग्राम की दो महिला सदस्य, ग्राम कोटवार, पटेल सदस्य एवं ग्राम सचिव को शामिल किया गया है। अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास ने संबंधित जिलों के कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति के सदस्यों को मार्गदर्शन जनपद पंचायत स्तर से दिया जाय, जिससे राशि का समुचित उपयोग किया जा सके।

बदल गया स्कूलों का टाईम टेबल

» **सीएम भूपेश बघेल ने इस वजह से लिया ये बड़ा निर्णय**

रायपुर, 19 अप्रैल 2023 (ए)। स्कूलों की समय सारणी में बड़ा बदलाव हुआ है। इसकी जानकारी सीएम भूपेश बघेल ने अपने सोशल मीडिया के जरिये दिया है। दरअसल, प्रदेश में तेज गर्मी को देखते हुए प्रदेश के सभी शासकीय/अशासकीय स्कूल, शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन समय में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। 1 / एक पाली में संचालित समस्त प्राथमिक / पूर्व माध्यमिक शालाएं / हाई हायर सेकेण्डरी शालाएँ सोमवार से शनिवार तक प्रातः 07:00 बजे से 11:00 बजे तक।

2 / ऐसी शालाएँ जहाँ कक्षाएँ दो पालियों में संचालित होती है, वहाँ । प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शालाएँ 07:00 बजे से 11:00 बजे तक। हाई हायर सेकेण्डरी शालाएँ 11:00 बजे से 03:00 बजे तक। यह आदेश दिनांक 20/04/2023 से दिनांक- 30/04/2023 तक प्रभावशील होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)